मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-05, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी दुर्गावती के 502वें जन्मोत्सव में विशेष दीवार घड़ी और कैलेंडर का किया विमोचन

रानी दुर्गावती के दिखाए मार्ग से जनजातियों के विकास का नया अध्याय लिख रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, भोपाल

- खालवा तहसील में बनेंगे 6 नए सांदीपनि विद्यालय, हरसूद में बनेगा 490 सीटर नया कन्या छात्रावास
- करीब 161 करोड़ की लागत से बनेंगे 40 नए जनजातीय छात्रावास
- आश्रम स्कूलों को दिए जाएंगे 143 करोड़ रुपए
- खंडवा में बनेगी 10 करोड़ रुपए की हाइटेक नर्सरी
- खंडवा जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में बनेंगे स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स
- मुख्यमंत्री ने 3.54 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को अंतरित की 21.34 करोड़ रुपए बोनस राशि, 56 समितियों को दी 4.58 करोड़ की काष्ट लाभांश राशि
- खण्डवा जिले को दी 143 करोड़ लागत के 18 विकास कार्यों की सौगात



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती ने प्रजा के सुख को ही अपना धर्म माना था। उनका शासनकाल कृषि, जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। यह रानी दुर्गावती की प्रशासनिक दक्षता का ही कमाल था कि गोंड साम्राज्य के हजारों गांव समृद्धि का केंद्र बन गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती अदम्य साहस, अटल स्वाभिमान और शक्ति की प्रतीक थीं। उन्होंने जीवनकाल में 52 युद्ध लड़े और 51 में विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रानी दुर्गावती के दिखाए मार्ग पर चलकर हमारी सरकार प्रदेश के जनजातीय भाई-बहनों के कल्याण और विकास का एक नया अध्याय लिख रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को खंडवा जिले के हरसूद के ग्राम छनेरा में हुए वीरांगना रानी दुर्गावती की 502वीं जयंती उत्सव एवं तेंदूपत्ता बोनस वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन एवं रानी दुर्गावती के चित्र पर माल्यार्पण तथा पंच कलश के जरिये गोपूजन एवं बड़ादेव का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के इतिहास में पहली बार गोंडवाना साम्राज्य के तत्कालीन 52 गढ़ों के राजशासकों के वर्तमान वंशजों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन राजवंशजों को साफा पहनाकर तथा खड्ग एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां खंडवा जिले के साथ बुरहानपुर, बड़वानी, खरगौन, देवास और हरदा के 3 लाख 54 हजार से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को 21 करोड़ 34 लाख रुपए से अधिक की बोनस राशि का वितरण किया। इसमें खंडवा के 32 हजार 846 तेंदूपत्ता संग्राहक भी शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा वन मंडल क्षेत्र की 56 संयुक्त वन प्रबंधन समितियों के 26 हजार 400 से अधिक हितग्राहियों को 4 करोड़ 58 लाख रुपए के काष्ठ लाभांश की राशि भी वितरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खंडवा जिले में लगभग 143 करोड़ रुपए की लागत से 18 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमे लगभग 48 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न हाई स्कूल भवनों और छात्रावासों के साथ लगभग 20 करोड़ रूपए की लागत से खालवा में खेल परिसर का भूमि-पूजन के साथ ही 68 करोड़ 57 लाख रुपए की लागत से 3 सामुदायिक एवं सांस्कृतिक भवनों की सौगात भी शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर क्षेत्रीय विकास एवं सुविधा उन्नयन से जुड़ी विभिन्न घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 5 साल में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर से अधिक करने का लक्ष्य रखा है। इसी उद्देश्य से हरसूद विधानसभा क्षेत्र में करवानी उद्वहन सिंचाई परियोजना पर तेजी से कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यहां के जनजातीय क्षेत्रों में 25 करोड़ की लागत से बिजली आपूर्ति से जुड़े सभी विकास कार्य पूरे किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खालवा तहसील क्षेत्र में 6 सांदीपनि विद्यालय बनाए जायेंगे। हरसूद में 490 सीटर नया कन्या छात्रावास बनेगा। इस क्षेत्र के सभी छात्रावासों में 34 करोड़ की लागत से रोटी मेकर मशीनें लगाई जायेंगी। छात्रावासों में वॉटर कूलर लगाए जाएंगे। यहां के छात्रावासों में ई-लाइब्रेरी बनाई जायेगी। करीब 161 करोड़ की लागत से 40 नए जनजातीय छात्रावास बनाये जायेंगे। यहां के आश्रम स्कूलों को विकास कार्यों के लिए 143 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि दी जाएगी। खंडवा में 10 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एक हाइटेक नर्सरी बनाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हरसूद सहित खंडवा जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाये जायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार विरासत से विकास के संकल्प से साथ गरीब से गरीब के जीवन में रोशनी लाने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए पंख लगाने का काम किया है। वीरांगना रानी दुर्गावती के जन्मोत्सव पर आज 52 गढ़ों के राजवंशजों का सम्मान कर जीवन धन्य हो गया। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती के जीवन से हमें राष्ट्र प्रथम, स्वाभिमान, विषम परिस्थितियों में नेतृत्व कौशल, नारी शक्ति का सम्मान, जल संचय, जंगल और प्रकृति के संरक्षण की सीख मिलती है।

87 साल की महिला महंगा किराया नहीं चुका पाई

स्पेन में किराएदार को घर से निकालने पर सरकार गिरी



एजेन्सी, नई दिल्ली

स्पेन में 87 साल की एक महिला को घर से निकालना बहुत बड़ा मुद्दा बन गया। महंगे किराए और लोगों को घर से निकाले जाने के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतर आए।

मामला इतना बढ़ा कि सरकार को किराएदारों को राहत देने के लिए संसद में इमरजेंसी बिल लाने पड़े। लेकिन सरकार इन्हें पास नहीं करा सकी। इसके बाद प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज ने तय समय से करीब 8 महीने पहले आम चुनाव कराने का ऐलान कर दिया। स्पेन में 29 नवंबर 2026 को वोटिंग होगी।

70 साल से घर में रह रही थी बुजुर्ग

मामले की शुरूआत 23 सितंबर को हुई। मैड्रिड में 87 साल की मारिया डेल कार्मेन अबास्कल को उस घर से निकाल दिया गया, जहां वह करीब 70 साल से रह रही थीं। यह घर अबास्कल परिवार के पास कई दशकों से किराए पर था। 2018 में घर के मूल मालिक ने पूरी इमारत एक रियल एस्टेट कंपनी को बेच दी। इसके बाद कंपनी और अबास्कल में किराए को लेकर विवाद शुरू हो गया। कंपनी ने किराया 500 यूरो से बढ़ाकर 2650 यूरो कर दिया। अबास्कल की मासिक पेंशन ही करीब 1,350 यूरो थी। यानी मांगा गया किराया उनकी पूरी मासिक आय से भी काफी ज्यादा था। इसी वजह से वह नया किराया देने की स्थिति में नहीं थीं। इसके बाद मामला कोर्ट में चला गया था।

यूपी में भाजपा के आठों राज्यसभा कैंडिडेट नए

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और बीएल वर्मा के नाम नहीं, राज्यपाल गंगवार की बेटी को टिकट

एजेन्सी, नई दिल्ली

यूपी में भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार दोपहर 8 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। सभी नए उम्मीदवार हैं। इनमें 2 महिलाएं हैं। इनमें 2 ब्राह्मण, 1 ठाकुर, 3 पिछड़े और 2 दलित हैं। पिछड़े वर्ग में एक लोधी, एक कुर्मी और एक पाल समाज से हैं। वहीं, दलित वर्ग में एक खटीक और एक पासी समाज से हैं।

पीएम मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल बीएल वर्मा और हरदीप सिंह पुरी का टिकट काट दिया गया है। दिनेश शर्मा अंडमान निकोबार के उपराज्यपाल बनाए गए हैं। मौजूदा राज्यसभा सांसद नीरज शेखर, सीमा द्विवेदी, बृजलाल, गीता शाक्य, अरुण सिंह को दोबारा मौका नहीं मिला है।

यूपी में राज्यसभा की 31 सीटें हैं। इनमें 10 सीटों पर 16 अक्टूबर को चुनाव होना है। 6 अक्टूबर को नामांकन का आखिरी दिन है।



भाजपा ने खेला पिछड़ा कार्ड

भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पिछड़ा कार्ड खेला है। पिछड़े वर्ग में भी पार्टी के परंपरागत वोट बैंक लोधी, पाल और कुर्मी समाज पर फोकस किया है। धर्मपाल सिंह लोधी समाज से हैं, प्रकाश पाल पाल समाज और श्रुति गंगवार कुर्मी समाज से हैं। वहीं, दलित वर्ग में भी 2017 से भाजपा का वोट बैंक माने जाने वाले पासी और खटीक समाज को ही मौका दिया है। विद्यासागर सोनकर खटीक समाज और प्रियंका रावत पासी समाज से हैं। राम प्रताप सिंह चौहान ठाकुर बिरादरी से हैं। जबकि राधाकांत ओझा और गोपी कृष्णा पांडेय ब्राह्मण हैं।

भाजपा-सपा का गणित समझिए

भाजपा से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा और नीरज शेखर, सीमा द्विवेदी, बृजलाल, गीता शाक्य, अरुण सिंह और सपा के रामगोपाल यादव, बसपा के रामजी गौतम का कार्यकाल 25 नवंबर को खत्म हो रहा है। डॉ. दिनेश शर्मा अंडमान निकोबार के उप-राज्यपाल बना दिए गए हैं। उन्होंने इस्तीफा दिया है। सपा के 2 उम्मीदवार प्रोफेसर राम गोपाल यादव और उद्योगपति धनराज परिमल नाथवानी ने 30 सितंबर को नामांकन दाखिल किया है। सपा तीसरे और भाजपा 9वें उम्मीदवार को नहीं उतारती है तो चुनाव में सपा के 2 और भाजपा के 8 उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन तय है।

अगले सत्र में बिल लाएगी सरकार

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की तैयारी

एजेन्सी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर पश्चिम बंगा करने के लिए राज्य सरकार जल्द विधानसभा में बिल पेश कर सकती है। इखढ के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने सोमवार को कोलकाता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिल विधानसभा के इसी सत्र में भी पेश किया जा सकता है। राज्य का नाम पश्चिम बंगा रखने का फैसला उसके इतिहास से जोड़ने के लिए किया गया है।

भट्टाचार्य वाराणसी में प्रस्तावित पश्चिम बंगा भवन को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अब बांग्ला या वेस्ट बंगाल जैसे नाम नहीं बोलने पड़ेंगे। पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की कोशिशें 1999 में शुरू हुई थीं, जब ज्योति बसु की वाम मोर्चा सरकार ने राज्य का नया नाम 'पश्चिम बंग' रखने का प्रस्ताव पेश किया था।



वाराणसी में बनेगा पश्चिम बंग भवन

भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने केंद्र सरकार और कूच बिहार के राजपरिवार के वंशजों के साथ मिलकर वाराणसी में पश्चिम बंग भवन बनाने की योजना बनाई है। जो राज्य के सांस्कृतिक केंद्र के रूप में काम करेगा। यहां बंगाल से आने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए ठहरने की सुविधा भी होगी। उन्होंने कहा कि वाराणसी का बंगाल से लंबे समय से संबंध रहा है। दोनों के बीच आध्यात्मिक जुड़ाव भी है। वहां पहला महिला कॉलेज एक बंगाली ने बनवाया था। शहर में बंगाली छात्रों के लिए कई स्कूल भी हैं।

2021 में व्हीलचेयर पर बैठकर प्रचार के मामले में गरमाई सियासत

सीएम शुभेंदु बोले 'ममता बनर्जी चोट का झूठा दावा बंद करें'

एजेन्सी, नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को ममता बनर्जी को चेतावनी दी कि वे नंदीग्राम में 2021 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लगी चोट के बारे में अपने दावों को आगे न बढ़ाएं, क्योंकि ऐसा करने से उन्हें और शर्मिंदगी उठानी पड़ सकती है। मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया तब आई जब ममता बनर्जी के वकील ने दिन में पहले दक्षिण कोलकाता के सरकारी एस.एस.के.एम. मेडिकल कॉलेज और अस्पताल और सरकारी बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज से जुड़े तीन बड़े डॉक्टरों को कानूनी नोटिस भेजा। इस नोटिस में पूर्व मुख्यमंत्री की एक खास मेडिकल रिपोर्ट को उनकी मंजूरी के बिना सार्वजनिक करने पर सवाल उठाया गया था।

कानूनी नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि अगर ममता बनर्जी इस मुद्दे पर हद से ज्यादा आगे बढ़ती हैं तो उन्हें और शर्मिंदगी उठानी पड़ सकती है। उन्होंने सोमवार





को मीडियाकर्मियों से कहा, मैं उनसे गुजारिश करूंगा कि वे इस मामले को और न कुरेदें। अगर मैंने अभी एक्स-रे और एमआरआई रिपोर्ट दिखाना शुरू कर दिया तो वे घर से बाहर नहीं निकल पाएंगी।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने शनिवार को बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज की 11 मार्च, 2021 की एक रेडियोडायग्नोसिस रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि उस समय पूर्व मुख्यमंत्री के अंग में फ्रैक्चर का कोई निशान नहीं था। सोमवार को ममता बनर्जी के वकील के कानूनी नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वे बताएंगे कि उन्हें रेडियोडायग्नोसिस रिपोर्ट कहां से मिली। मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा, उन्होंने पैर में फ्रैक्चर के लिए भाजपा नेताओं को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराईं। उन्हें लगा था कि वे चौथी बार मुख्यमंत्री के तौर पर सत्ता में लौटेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने खुद अपने ऑफिस के दराज में कई जरूरी कागजात छोड़ दिए थे। वे सारे कागजात साथ नहीं ले जा पाईं। इससे पहले शनिवार को उन्होंने यह भी कहा था कि पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों के उपचुनाव, जो मंगलवार को होने हैं, के नतीजे 9 अक्टूबर को घोषित होने के बाद एक अलग जांच शुरू की जाएगी।

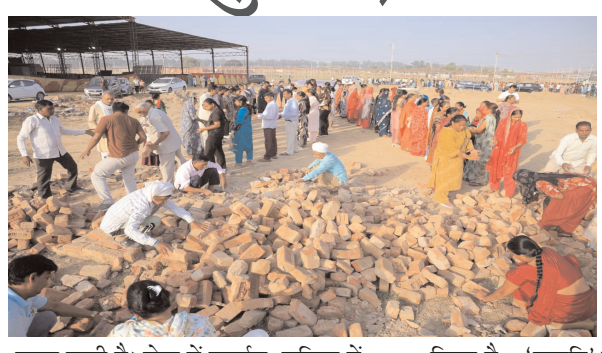
बता दें कि 2021 में ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था और अधिकारी से 2,000 से भी कम वोटों के अंतर से हार गई थीं। बाद में वह दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव जीतीं और लगातार तीसरी बार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनीं। खबरों के मुताबिक, नंदीग्राम में 2021 के विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करते समय ममता बनर्जी घायल हो गई थीं। उस समय, पैर पर प्लास्टर बंधा होने और व्हीलचेयर पर होने के बावजूद उन्होंने चुनाव प्रचार किया था।

ममता बनर्जी का तीन अस्पतालों को कानूनी नोटिस

2021 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पैर में फ्रैक्चर का दावा करने वाली ममता बनर्जी ने सोमवार को 3 अस्पतालों को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने पूछा है कि उनके इलाज से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंचे। यह मामला तब सामने आया है, जब शुभेंदु ने 3 अक्टूबर को आरोप लगाया कि ममता ने 2021 के चुनाव के दौरान अपनी चोट को लेकर गलत दावे किए थे। उन्होंने कहा कि वे इस मामले की जांच कराएंगे। दरअसल, 10 मार्च 2021 को नंदीग्राम में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान ममता घायल हुई थीं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 4-5 लोगों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे कार का दरवाजा उनके पैर से टकराया और उनका पैर फैक्चर हो गया था। इसके बाद उनके पैर में प्लास्टर लगाया गया और उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठकर चुनाव प्रचार किया था।

निष्काम सेवा की सुगंध, समर्पण की आभा : 79वां वार्षिक संत समागम

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**





संत निरंकारी मिशन का 79वां वार्षिक संत समागम 23 से 26 अक्टूबर, 2026 तक समालखा स्थित संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर भव्यतापूर्वक आयोजित किया जायेगा, जहाँ हर कदम मानव कल्याण की राह पर बढ़ेगा, हर भाव समर्पण में ढलेगा और हर हृदय प्रेम की उस दिव्य ज्योति से आलोकित होगा, जो मानवता को एकत्व, सद्भाव और प्रभु-भक्ति के सूत्र में पिरोने का संदेश देती है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में यह समागम प्रेम, सेवा, सद्भाव और मानव एकता की दिव्य भावना का संदेश देगा। इस पावन समागम की शुभ सूचना से श्रद्धालुओं के हृदय आनंद, उमंग और प्रभु-प्रेम की अनुपम अनुभूति से प्रफुल्लित हैं। अंतर्मन में जब प्रभु का प्रकाश जागता है, तब जीवन की दिशा बदल जाती है। सेवा में समर्पण, सुमिरन में शांति और सत्संग में सत्य की अनुभूति होने लगती है। यही आत्मिक चेतना और ब्रह्मज्ञान मनुष्य को प्रेम और प्रभु-भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। इसी भीतर के प्रकाश और चेतना के नवजागरण की दिव्य अनुभूति से परिपूर्ण इस वर्ष का वार्षिक निरंकारी संत समागम श्रद्धालुओं के लिए एक अनुपम आध्यात्मिक यात्रा बनेगा, जिसका प्रेरणादायी विषय है - 'जागृति'। इस दिव्य उत्सव की तैयारियाँ श्रद्धा, समर्पण, लगन और निःस्वार्थ सेवा-भाव के साथ पूरे उत्साह से चल रही हैं। हर आयु, वर्ग और पृष्ठभूमि की सीमाओं से परे, श्रद्धालु भक्त तन-मन से सेवा में तल्लीन हैं। प्रातः की पहली किरण से लेकर संध्या के ढलते प्रकाश तक, समागम स्थल का प्रत्येक कोना सेवा, भक्ति और समर्पण की जीवंत छवि प्रस्तुत कर रहा है। कोई निर्माण कार्य में सहयोग दे रहा है, कोई शामियाने सजा रहा है, तो कोई स्वच्छता, जल व्यवस्था और भोजन सेवा को सुव्यवस्थित करने में लगा है। वहीं वार्षिक निरंकारी संत समागम की भव्यता को दर्शाता मुख्य प्रवेश-द्वार भी आकार ले रहा है, जो प्रेम, समरसता और आत्मिक एकत्व की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक बनकर श्रद्धालुओं का स्वागत करेगा। सेवा का यह अद्भुत दृश्य उस समर्पण की साक्षात अभिव्यक्ति है, जो सतगुरु के ज्ञान से हृदय में जागृत होता है। वास्तव में, जब सेवा में निःस्वार्थ भाव और समर्पण जुड़ जाता है, तो साधारण से साधारण क्षण भी आनंद और उत्सव की अनुभूति से भर जाता है। सेवा-भाव की इस अनुपम छटा को देखकर सहज ही अनुभव होता है कि सेवकों के चेहरे पर परिश्रम की थकान नहीं, बल्कि संतोष और समर्पण की दिव्य आभा झलक रही है। उनके लिए सेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि सतगुरु के प्रति प्रेम और कृतज्ञता को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। यही वह आत्मिक आनंद है, जो निःस्वार्थ सेवा, भक्ति और सतगुरु की छत्रछाया में जीवन को भीतर से प्रकाशित करता है। सतगुरु माता जी भी अपने प्रवचनों में निरंतर सेवा, सत्संग और प्रभु-स्मरण के महत्व की प्रेरणा देते हुए कहती हैं कि -'तन पवित्र सेवा किये, धन पवित्र दिये दान, मन पवित्र हरि भजन सों, त्रिबिध होई कल्याण।' अर्थात् जब तन सेवा में, धन परोपकार में और मन प्रभु-भक्ति में समर्पित हो जाता है, तभी जीवन में सच्चे कल्याण और आत्मिक शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। समागम में सम्मिलित होने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से की जा रही हैं। सेवा, सत्कार और अपनत्व की यही भावना प्रत्येक श्रद्धालु को सम्मान एवं सौहार्द से परिपूर्ण वातावरण का अनुभव कराएगी। निःसंदेह, यह संत समागम मात्र एक आयोजन नहीं, बल्कि मानवता, समरसता और एकत्व का अनुपम पर्व है। विभिन्न संस्कृतियों और परिवेशों से आए श्रद्धालु यहाँ 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को साकार करते हुए सतगुरु की अमृतवाणी से अपने अंतर्मन को आलोकित करते हैं। प्रेम, शांति और मानव एकता के इस दिव्य महापर्व में प्रत्येक भाई-बहन एवं सज्जन भक्त का हार्दिक स्वागत है।

शासकीय माध्यमिक शाला अमरावत खुर्द में कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूली बैग

शिक्षा से होगी तरक्की की राह प्रशस्त, बच्चों को नियमित रूप से भेजें स्कूल: राज्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को शासकीय माध्यमिक एकीकृत शाला, अमरावत खुर्द में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों को स्कूली बैग वितरित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सर्वांगीण विकास और प्रगति का मूल आधार है। जो विद्यार्थी निष्ठा एवं लगन से विद्या अध्ययन करता है, वह तरक्की और सफलता के नए शिखरों को स्पर्श करता है। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय अवश्य भेजें, शिक्षित एवं गुणी बाल-पीढ़ी ही अपने परिवार के जीवन स्तर को उन्नत बनाने के साथ समाज और राष्ट्र के नवनिर्माण में महती भूमिका निभाती है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने उपस्थित विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद स्थापित कर उन्हें लगनपूर्वक अध्ययन करने तथा जीवन में उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गुरुजनों का सम्मान करने वाले तथा अनुशासित रहकर शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने से कोई शक्ति नहीं रोक सकती। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विद्यालय परिसर में मध्याह्न भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर विद्यालय के संचालन की समयबद्धता, पठन-पाठन का स्तर और भोजन की गुणवत्ता एवं पर्याप्तता के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने शिक्षक वर्ग से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षकों का पावन कर्तव्य विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर उनके जीवन को सही दिशा प्रदान करना है। यदि शिक्षक अपने शिष्यों को सुसंस्कृत और योग्य नागरिक बनाने में सफल होते हैं, तभी उनकी शिक्षण साधना वास्तविक अर्थों में सार्थक सिद्ध होती है। उन्होंने बल देकर कहा कि आने वाली पीढ़ी को शिक्षित, संस्कारवान और उत्तरदायी नागरिक बनाने के लिए परिवार, शिक्षक और समाज को समन्वित प्रयास करने होंगे, जिससे सशक्त समाज और विकसित भारत की सुदृढ़ नींव बाल-मन में रोपे गए एवं सुसंस्कारों पर ही आधारित है।

धौलाकुआं से यशोभूमि तक मेट्रो से पहुँचे मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया





■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने धौला कुआं मेट्रो स्टेशन से द्वारका सेक्टर-25 स्थित 'यशोभूमि' तक मेट्रो से सफर किया। सिंधिया यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस के आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने पहुँचे। उन्होंने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं और तैयारियों की समीक्षा की। 7 से 10 अक्टूबर तक आयोजित होगा इंडिया मोबाइल कांग्रेस, जिसमें दूरसंचार, डिजिटल तकनीक और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लेने का मौका रूफटॉप सोलर पर 78 हजार मिलेगी सब्सिडी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



एक किलोवॉट सोलर संयंत्र लगाने पर 30 हजार रुपये, दो किलोवॉट पर 60 हजार रुपये तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयंत्र की स्थापना पर 78 हजार रुपये की सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही है। पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के इच्छुक उपभोक्ताओं के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 6 अक्टूबर को रविन्द्र भवन, भोपाल में विशेष 'सेवा सेतु' शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ माननीय श्री राकेश शुक्ला, मंत्री, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, मध्यप्रदेश शासन द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री, ऊर्जा विभाग, मध्यप्रदेश शासन ऑनलाइन माध्यम से जुड़ेंगे। शिविर में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर संयंत्र के पंजीयन, आवेदन, सब्सिडी, बैंक ऋण, स्थापना एवं नेट मीटरिंग से संबंधित जानकारी और मार्गदर्शन एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पंजीयन काउंटर, बैंक अधिकारियों एवं अधिकृत रूफटॉप सोलर वेंडरों के स्टॉल लगाए जाएंगे। वेंडरों द्वारा संयंत्र की लागत एवं स्थापना संबंधी जानकारी तथा बैंक प्रतिनिधियों द्वारा ऋण प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। शिविर में पीएम सूर्य घर योजना के वर्किंग मॉडल एवं डिस्प्ले भी लगाए जाएंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक (भोपाल क्षेत्र) श्री बी.बी.एस. परिहार ने बताया कि शिविर में उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 6 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक रविन्द्र भवन पहुंचकर पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लें और अपने घर पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में सहभागी बनें। शिविर में उपलब्ध सुविधाएं शिविर में उपभोक्ताओं के लिए रूफटॉप सोलर पंजीयन, योजना एवं सब्सिडी की जानकारी, बैंक ऋण सुविधा, अधिकृत वेंडरों से मार्गदर्शन तथा नेट मीटरिंग से संबंधित जानकारी उपलब्ध रहेगी।

सड़क किनारे खड़े टैंकर से टकराई बाइक, घायल ने 4 दिन बाद तोड़ा दम

भोपाल। मिसरोद थाना इलाके में सड़क किनारे खड़े टैंकर से बाइक टकराने के हादसे में गंभीर रुप से घायल इंजिनियरिंग छात्र ने एम्स में इलाज के दौरान चार दिन बाद दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार मूलरूप से नागपुर महाराष्ट्र का रहने वाला 22 वर्षीय उत्कर्ष पाटील यहाँ रुचि ग्रीनवुड कॉलोनी में रहते हुए सेज यूनिवर्सिटी में बीई फोर्थ ईयर की पढ़ाई कर रहा था। बीती 29 सितंबर की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे वह बाइक से जा रहा था। रास्ते में केंद्रीय विद्यालय के पास अशोका होटल के सामने उसकी बाइक सड़क किनारे टैंकर से जा टकराई। घटना में उत्कर्ष को घातक चोटें आई थी, जिसे इलाज के लिये एम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान शनिवार रात उसने दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलने पर परिजन भोपाल पहुंच गये थे। बताया गया है कि मृतक छात्र उत्कर्ष परिवार का इकलौता बेटा था।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय बैरसिया में स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय बैरसिया में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत छात्राओं एवं महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.राजू तिलंथे एवं अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.राजू तिलंथे द्वारा अतिथियों का स्वागत तुलसी का पौधा भेंट कर किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वस्थ एवं जागरूक युवा पीढ़ी से निर्मित होती है। उन्होंने छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक जागृति गौर ने संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को भोजन में प्रोटीन,विटामिन एवं आवश्यक खनिज पदार्थों को शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने अंकुरित अनाज,दूध, छाछ एवं अन्य डेयरी उत्पादों के सेवन पर जोर देते हुए भोजन में कम चीनी एवं कम नमक के उपयोग के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण 'पहले 1000 दिवस की कार्यक्रम में जानकारी दी। इस दौरान सिविल अस्पताल बैरसिया की फिजिशियन डॉ. पद्मजा सिंह वर्मा ने मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की और उन्होंने सकारात्मक सोच एवं प्रसन्न रहने के महत्व को समझाते हुए बताया कि नियमित शारीरिक गतिविधियां स्वस्थ जीवनशैली के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने विभिन्न रोचक गतिविधियों एवं व्यायाम के माध्यम से सकारात्मक एवं नकारात्मक हार्मोन्स की भूमिका को समझाया तथा छात्राओं को नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया गया तथा व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई।

जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए सिकंदराबाद फंदा में शिविर आयोजित

विधायक रामेश्वर शर्मा ने हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ वितरित किए

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**





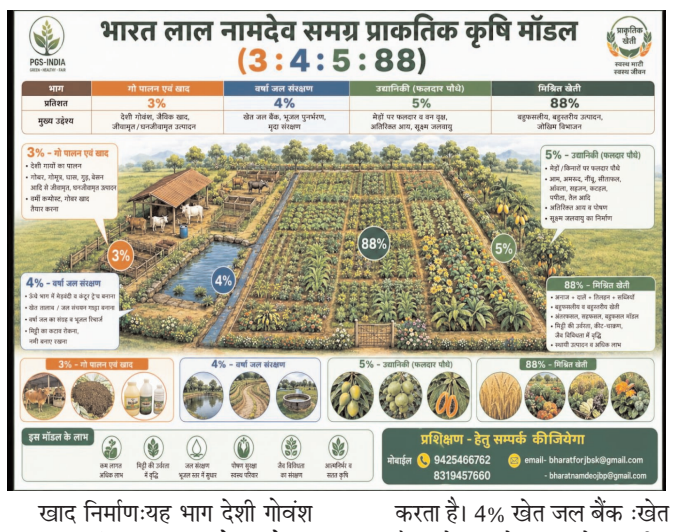
मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान एवं 'सेवा सेतु' अभियान के संयुक्त तत्वावधान में जनकल्याण तथा जनसमस्या निवारण के लिए सिकंदराबाद (फंदा) में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधायक हुजूर श्री रामेश्वर शर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री प्रमोद राजपूत, कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जिला पंचायत) श्रीमती ईला तिवारी सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशासनिक अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभः विधायक श्री शर्मा विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की समृद्धि और उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखकर निरंतर कार्य कर रही है। शासन का प्रमुख ध्येय है कि किसानों से जुड़ी सामग्री एवं संसाधन सीधे उनके पास उपलब्ध रहें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि शासन की कल्याणकारी एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं का पारदर्शी लाभ पंक्ति के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक अनिवार्य रूप से पहुंचे। हितग्राहियों को स्वीकृत पत्रों व आर्थिक सहायता का वितरण शिविर के दौरान विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं सहायता राशि प्रदान की गई। राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत सुश्री मीना सिंह एवं सुश्री प्रीति सिंह को 20-20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत कर प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण/शहरी) तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत अनेक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। विद्यार्थियों की मांग पर पुस्तकालय (लाइब्रेरी) निर्माण के निर्देश कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने शिविर के दौरान स्थानीय छात्र-छात्राओं से संवाद किया। विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन के लिए लाइब्रेरी निर्माण की मांग रखे जाने पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने संवेदनशीलता दर्शाते हुए सिकंदराबाद में शीघ्र ही एक सर्वसुविधायुक्त पुस्तकालय स्थापित करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय स्टॉल्स जनकल्याणकारी शिविर में शासन के प्रमुख विभागों द्वारा पृथक-पृथक स्टॉल्स लगाए गए थे।

प्राकृतिक खेती से सशक्त होंगे ग्रामीण, 3:4:5:88 समग्र कृषि मॉडल पर एक दिवसीय कार्यशाला

आधारताल में कृषि सखियों एवं बीआरसी के लिए आयोजित हुआ विशेष प्रशिक्षण

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

बढ़ती कृषि लागत, गिरते भूजल स्तर और मौसम की अनिश्चितता के दौर में किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नाबार्ड जबलपुर के सहयोग से कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र, आधारताल में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा संत प्रसाद गोतम प्रदेश अध्यक्ष विज्ञानं भारती, अध्यक्षता श्री के.एस.नेताम, संयुक्तअ संचालक जबलपुर डा उमेश कटहरे, उप संचालक कृषि प्रोजेक्ट डायरेक्टरआत्मा डा इंदिरा पाठक,नाबार्ड जिला विकास अधिकारी देविना मेहरोत्रा एवं डॉ. ए.के.शुक्ला सहा. निदेशक RCONF Nagpur की उपस्थिति में रीजनल काउन्सिल जय भारती शिक्षा केंद्र मझगवां द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में जिले भर की कृषि सखियों और ब्लॉक रिसोर्स पर्सन ने भाग लिया। प्रशिक्षण के मुख्य प्रशिक्षक एवं प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ श्री भारत लाल नामदेव ने किसानों के लिए क्रांतिकारी साबित हो रहे 'भारत लाल नामदेव3:4:5:88 समग्र प्राकृतिक कृषि मॉडल 'की तकनीकी बारीकियों को साझा किया। उन्होंने बताया कि यह मॉडल राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अनुरूप है, जो खेत के और किसान की प्रत्येक हिस्से का वैज्ञानिक और प्राकृतिक संतुलन साधता है। क्या है 3:4:5:88 मॉडल का गणित? श्री भारत लाल नामदेव ने समझाया कि किसान को अपनी कुल कृषि भूमि को चार मुख्य घटकों में विभाजित करना चाहिएकी खेती के लिए आवश्यक पानी खाद खेत में ही मिले और उसे लगातार साल भर आय होती रहे : 3% गोपालन एवं



खाद निर्माण:यह भाग देशी गोवंश का सुरक्षित आवास, गोबर-गोमूत्र संग्रहण, कम्पोस्ट एवं जीवामृत/घनजीवामृत निर्माण पराली और खतपतवार से उन्नत खाद बनाने के लिए आरक्षित होता है। यह शेष 97% खेत के लिए संपूर्ण पोषण बैंक की तरह काम करता है। 4% खेत जल बैंक :खेत के ऊंचे भाग में जल-प्रवेश खंती , कोने में तालाब और निचले भाग में जल-निकास खंती बनाई जाती है। यह प्रणाली लगभग 30.81 लाख लीटर वर्षा जल को रोककर भूजल पुनर्भरण करती है और उपजाऊ मिट्टी को बहने से रोकती है। 5% उद्यानिकी (फलदार पौधे):खेत की मेड़ों और सीमाओं पर नींबू, अमरूद, अनार, सहजन, आम और पपीता जैसे 60 फलदार पौधे लगाकर किसान हर मौसम में नियमित आय ले सकता है। इससे 1.5 से 2 लाख तक की अतिरिक्त वार्षिक आमदनी सुनिश्चित होती है। 88% बहुफसलीय मिश्रित खेती:मुख्य खेत में अनाज के साथ दलहन, तिलहन की मिश्रित खेती और सब्जियों की बहुस्तरीय खेती की जाती है। दलहनी फसलों व अवशेष प्रबंधन से नाइट्रोजन , फॉस्फोरस और पोटाश प्राकृतिक पूर्ति होती है, जिससे रासायनिक खाद का खर्च शून्य हो जाता है। असली मुनाफा यहीं है ' कार्यशाला को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि किसान अक्सर केवल कुल उत्पादन को मुनाफा मान लेते हैं, जबकि असली मुनाफा लागत घटाने में है।

जब जब मुसीबत आई तब तब तुम याद आये

जबलपुर। जैसे ही नन्ही बालिका नायरा दुबे ने अपनी मधुर आवाज में गीतों की प्रस्तुति शुरू की, साउथ एवेन्यू मॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था जादूगर एस.के. निगम के संयोजन में आयोजित सैम वरिष्ठ नागरिक क्लब के विशेष कार्यक्रम का। कार्यक्रम में नन्ही गायिका नायरा दुबे और मध्यप्रदेश स्वच्छता अभियान की उद्घोषिका श्रेया खंडेलवाल का सम्मान किया गया। आठ वर्षीय नायरा ने अपनी सुरीली आवाज में एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर ऐसा समां बांधा कि कार्यक्रम में मौजूद सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। नायरा ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत भावपूर्ण गीत 'जब-जब मुसीबत आई, तब-तब तुम याद आए' से की। इसके बाद उन्होंने विभिन्न गीतों की प्रस्तुतियां दीं। उनकी मासूमियत, आत्मविश्वास और मधुर आवाज ने उपस्थित श्रोताओं का दिल जीत लिया। गीतों की प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने तालियां बजाकर नन्ही कलाकार का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मौजूद वरिष्ठ नागरिकों ने नायरा प्रतिभा की जमकर सराहना की और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान नायरा दुबे को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव अधिवक्ता असीम द्विवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज दुबे, जबलपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं कैट के दीपक सेठी तथा क्लब के सदस्यों ने नायरा दुबे और श्रेया खंडेलवाल को पगड़ी एवं मोतियों की माला पहनाकर सम्मानित किया। क्लब के सदस्यों की ओर से दोनों को अनेक उपहार भी प्रदान किए गए। अतिथियों ने कहा कि किसी भी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन और मंच की आवश्यकता होती है। सैम वरिष्ठ नागरिक क्लब लगातार विभिन्न आयु वर्ग के लोगों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान कर रहा है। ऐसे आयोजनों से प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ता है और समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। कार्यक्रम के दौरान क्लब की वरिष्ठ सदस्य शशि प्रभा स्थापक का जन्मदिन भी विशेष रूप से मनाया गया। क्लब के सदस्यों ने उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। जसवीर चोपड़ा, रश्मि श्रीवास्तव, प्रेम वर्मा, मैडम राणा, आई.के. अग्रवाल, सुनीता जायसवाल एवं आरती जायसवाल सहित अन्य सदस्यों ने शाल एवं माला पहनाकर उनका सम्मान किया। जन्मदिन समारोह के दौरान क्लब के सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करते हुए कार्यक्रम को यादगार बनाया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि केवल नन्ही कलाकारों ने ही नहीं, बल्कि क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने भी अपनी सुरीली आवाज का जादू बिखेरा।



धनुष यज्ञ रामलीला में आज, कल निकलेगा राम जन्मोत्सव जुलूस

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

धनुष यज्ञ रामलीला समिति, सदर बाजार के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी है। रामलीला महोत्सव के तहत 5 अक्टूबर को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुए। इस दौरान रामलीला के सफल आयोजन एवं पात्रों के मंगलमय मंचन के लिए विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समिति के पदाधिकारी शामिल हुए।

पवित्र नदियों के जल से हुआ पूजन

कार्यक्रम की शुरुआत मुकुट पूजन तथा गौरी-गणेश पूजन से हुई। इसके बाद नर्मदा, गंगा, कावेरी और सरयू सहित विभिन्न पवित्र नदियों के जल से पूजन-अर्चन किया गया। धार्मिक परंपराओं के अनुसार देवताओं का पूजन, सुंदरकांड पाठ, महाआरती, भूमि पूजन और कन्या पूजन भी संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान रामभक्ति और धार्मिक वातावरण बना रहा। रामलीला में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, माता सीता और हनुमान जी की भूमिका निभाने वाले पात्रों का विधिवत पूजन किया गया। इसके साथ ही उनकी प्राण-प्रतिष्ठा की धार्मिक प्रक्रिया भी संपन्न कराई गई। हवन एवं कीर्तन के आयोजन के साथ दिनभर चले धार्मिक कार्यक्रमों का समापन हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर भगवान श्रीराम के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

मुख्य यजमानों ने संपन्न कराए अनुष्ठान

कार्यक्रम के मुख्य यजमान अभिषेक चौकसे, प्रकाश सोनी, दिलीप रजक, मोहित अग्निहोत्री एवं प्रवण अवस्थी रहे। उन्होंने विधि-विधान के साथ विभिन्न पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराए। वहीं रामलीला में भगवान श्रीराम सहित अन्य प्रमुख पात्रों का पूजन सीताराम कुर्चानिया, मधुर तिवारी, संदीप चौकसे, डॉ. शंकर पांडे एवं धनंजय बाजपेयी द्वारा किया गया।

बच्चों के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, लाठी तलवार चली

कोतवाली थाना अतंर्गत तमरहाई स्थित राजा रसगुल्ला वाली गली में रविवार देर रात बच्चों के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक पक्ष ने तलवार और लाठी से हमला कर परिवार के महिला-पुरुषों को घायल करने का आरोप लगाया है। सोमवार को घायल महिलाएं परिजनों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचीं और मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की।

परिजनों का आरोप है कि विवाद के दौरान उनके साथ मारपीट की गई, लेकिन उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं हुई और उल्टे उनके खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया गया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि रविवार रात करीब 12 बजे राजा रसगुल्ला वाली गली में राहुल, कपिल सोनकर और उनके साथियों के साथ संत रविदास समाज के कुछ लोगों का विवाद हुआ था।

सामाजिक संरक्षण से प्रतिभाएं और भी निखर जाती हैं, सही मंच और प्रोत्साहन से युवा आगे बढ़ते हैं

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

भारतीय संस्कृति, विविध भाषाएं, धार्मिक परंपराएं तथा सामाजिक समरसता और समभाव की जीवनशैली हमारी समृद्ध विरासत का हिस्सा हैं। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और इसी के बल पर हम वैश्विक स्तर पर सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों का मजबूती से सामना करने में सक्षम हैं। प्रतिभाओं को सही दिशा, उचित मार्गदर्शन और आगे बढ़ने का अवसर मिले तो वे समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। सामाजिक संरक्षण और प्रोत्साहन से प्रतिभाएं और भी निखर जाती हैं। यह प्रेरक विचार मोटिवेशनल गुरु एवं शिक्षाविद् सरबजीत सिंह रेणुका, लुधियाना, पंजाब ने व्यक्त किए। वे सामाजिक एवं धार्मिक संस्था गुरमत मिशन जबलपुर सर्किल द्वारा गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय, महानद्दा में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

विभिन्न क्षेत्रों की 90 प्रतिभाओं का सम्मान

समारोह के दौरान शिक्षा, संस्कृति, कला, रचनात्मकता, क्रीड़ा, सामाजिक सेवा, नेतृत्व, नवाचार एवं व्यावसायिक उपलब्धियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले 90 छात्र-छात्राओं एवं युवक-युवतियों को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने प्रतिभाओं को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले युवा शामिल रहे। सम्मान समारोह के दौरान प्रतिभाओं के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। आयोजकों का कहना था कि प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने का उद्देश्य उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है।



परिवार के साथ समाज की भी जिम्मेदारी

मुख्य वक्ता सरबजीत सिंह रेणुका ने कहा कि किसी भी प्रतिभा के विकास में परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन केवल परिवार तक ही यह जिम्मेदारी सीमित नहीं होनी चाहिए। समाज को भी अपने बीच मौजूद प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सहयोग और उचित मंच उपलब्ध कराना चाहिए।

रामलीला समिति गढ़ा ने किया मथुरा जैन उत्साही का सम्मान

संस्कारधानी में अभिनव व भव्य आयोजनों के माध्यम से साहित्यिक, सांस्कृतिक, कला एवं खेल जगत में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री रामलीला समिति गढ़ा द्वारा मंचदीप के संस्थापक मथुरा जैन उत्साही का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में साहित्यकार विजय तिवारी किसलय, श्री रामलीला समिति गढ़ा के संचालक अशोक मनोध्याय, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षाविद डॉ. रमेश बसेड़िया, इंजीनियर सतीश कोष्टा उपस्थित रहे। विजय तिवारी ने अपने उद्बोधन में रामलीला समिति गढ़ा के कार्यों की सराहना की। गढ़ा रामलीला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों एवं संस्कारधानी की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने मथुरा जैन उत्साही को शॉल, श्रीफल, मां दुर्गा की तस्वीर, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन अरुण कुमार दीक्षित एवं आभार प्रदर्शन श्री रामलीला समिति गढ़ा के अध्यक्ष राजेश मिश्रा ने किया।

दीपक तिवारी ने अपनी काव्य रचना

मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन को लेकर बढ़ा विरोध, संयुक्त मोर्चा ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कथित विखंडन और विश्वविद्यालय से जुड़े पाठ्यक्रमों को क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों से जोड़ने के विरोध में सोमवार को मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय बचाओ संयुक्त मोर्चा ने विश्वविद्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। मोर्चा ने आरोप लगाया कि जबलपुर की पहचान बने मेडिकल विश्वविद्यालय को कमजोर कर उसके अधिकारों को उज्जैन स्थानांतरित करने का प्रयास किया जा रहा है।



मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि मेडिकल विश्वविद्यालय की वजह से प्रदेशभर से बड़ी संख्या में विद्यार्थी और उनके अभिभावक जबलपुर आते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और व्यापार को भी बढ़ावा मिलता है। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय के स्वरूप में बदलाव से जबलपुर के शिक्षा क्षेत्र और स्थानीय रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना को करीब 15 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन बड़ी संख्या में स्थायी अधिकारियों और कर्मचारियों के पद रिक्त हैं। इसका असर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम और अन्य शैक्षणिक कार्यों में देरी के रूप में सामने आता है। मोर्चा ने विश्वविद्यालय में रिक्त पदों को भरने और व्यवस्थाओं को मजबूत करने की मांग भी उठाई।

मोर्चा के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा मेडिकल अस्पताल में करोड़ों रुपये के कार्य कराए गए हैं, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हुआ है।

शहपुरा तहसील में पदस्थ बाबू ने की आत्महत्या

जबलपुर। जिले की शहपुरा तहसील में पदस्थ बाबू पुरुषोत्तम परस्ते की आत्महत्या की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सोमवार को उनका शव लोकसेवा केंद्र के पास स्थित उनके घर के एक कमरे में फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही शहपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरुषोत्तम परस्ते शहपुरा तहसील कार्यालय में बाबू के पद पर पदस्थ थे। घटना की सूचना मिलने पर तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे।

जबलपुर में विकास कार्यों की गुणवत्ता और समयसीमा पर सांसद दुबे का जोर

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जिला समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद आशीष दुबे ने जिले में चल रहे विकास कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करने के साथ गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ किसी पात्र व्यक्ति से छूटना नहीं चाहिए।

इसके लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बैठक सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में करीब पांच घंटे चली। बैठक में पिछली बैठक के निर्णयों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा के बाद विभिन्न विभागों की योजनाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई। ग्रामीण विकास, कृषि, जल संसाधन, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, बिजली, आवास, पर्यटन, खाद्य और नवीकरणीय ऊर्जा सहित कई विभागों के अधिकारियों ने जानकारी दी। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में लगभग पांच घंटे चली इस बैठक में केन्द्र शासन की विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों और विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी 'इंदू', डॉ. अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर तथा जिले की जनपद पंचायतों, नगर पालिका एवं नगर परिषदों के अध्यक्ष उपस्थित थे।



इलाज के दौरान नवविवाहिता की मौत

विवाहिता की मौत पर विवाद, मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान 23 वर्षीय नवविवाहिता दीक्षा पांडे की रविवार को मौत हो गई। दीक्षा की मौत के बाद मायके पक्ष ने उसके पति अक्षय उर्फ सतीष मिश्रा, सास उमा मिश्रा और ननद सोनम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मायके वालों का आरोप है कि शादी के करीब डेढ़ साल बाद भी संतान नहीं होने को लेकर दीक्षा को लगातार ताने दिए जाते थे और उसे मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। हालांकि, लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

गंभीर हालत में अस्पताल में कराया गया था भर्ती

परिजनों के अनुसार दीक्षा की तबीयत अचानक गंभीर हो गई थी। हालत बिगड़ने के बाद उसे शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे वेंटिलेटर पर रखा था। परिजनों के मुताबिक उपचार के दौरान उसकी हालत लगातार चिंताजनक बनी हुई थी और वह बोलने की स्थिति में नहीं थी। रविवार को उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। दीक्षा की मौत की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग अस्पताल पहुंचे। इसके बाद परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। हाथ पर अक्षर लिखने का भाई ने किया दावा मायके पक्ष के अनुसार जब दीक्षा वेंटिलेटर पर थी और बोलने की स्थिति में नहीं थी, उसी दौरान उसके भाई ने दावा किया कि उसने अपने हाथ पर एस, यू और ए अक्षर लिखे थे। भाई का कहना है कि दीक्षा ने इशारों के माध्यम से कथित रूप से ससुराल पक्ष के लोगों की ओर संकेत करने का प्रयास किया था।





हालांकि, इस दावे और इसके आधार पर लगाए जा रहे आरोपों की पुष्टि अभी जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस द्वारा मामले से जुड़े सभी तथ्यों, परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जाएगी। मां से फोन पर बातचीत के बाद घर से ले जाने का आरोप

दीक्षा मूल रूप से उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के मऊरानीपुर की रहने वाली थी। करीब डेढ़ वर्ष पहले उसका विवाह जबलपुर निवासी अक्षय उर्फ सतीष मिश्रा के साथ हुआ था। मायके पक्ष के मुताबिक घटना से पहले दीक्षा ने अपनी मां से फोन पर बातचीत की थी। परिजनों का आरोप है कि बातचीत के दौरान ही ससुराल पक्ष के लोग दीक्षा को घर से अपने साथ लेकर चले गए थे। इसके बाद परिजनों को उसकी तबीयत खराब होने की जानकारी मिली।

संपादकीय

विकास परियोजनाओं के साथ वित्तीय अनुशासन पर जोर

अभिषेक शर्मा

ई-कुबेर के माध्यम से एसडीएल की प्रतिस्पर्धी बोली, ब्याज दरों में अनुकूलता और समयबद्ध पुनर्भुगतान पर सरकार का फोकस

मध्यप्रदेश में सड़क, एक्सप्रेस-वे, सिंचाई, बांध, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़ी बड़ी परियोजनाओं को गति देने के साथ-साथ उनके लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन पर भी जोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार के लिए चुनौती केवल विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि उनके लिए जुटाए जाने वाले ऋण का लागत प्रभावी प्रबंधन और समय पर पुनर्भुगतान सुनिश्चित करना भी है।

राज्य सरकार अपने बाजार ऋण के लिए स्टेट डेवलपमेंट लोन्स (रउछ२) का उपयोग करती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों की दिनांकित प्रतिभूतियों यानी से एसडीएल की नीलामी की व्यवस्था की जाती है। फ्हकके दस्तावेजों के अनुसार राज्य विकास ऋणों की नीलामी में अधिकृत प्रतिभागियों के माध्यम से प्रतिस्पर्धी बोली की व्यवस्था होती है।

प्रतिस्पर्धी बोली से ऋण की लागत तय

एसडीएल के जरिए बाजार से धन जुटाने की प्रक्रिया में ब्याज दर बाजार की मांग, निवेशकों की रुचि और नीलामी में प्राप्त बोलियों जैसे कारकों से प्रभावित होती है। ऐसे में प्रतिस्पर्धी बोली की प्रक्रिया राज्य सरकार को बाजार परिस्थितियों के अनुरूप वित्त जुटाने का अवसर देती है। ई-कुबेर फ्हकका ऐसा प्लेटफॉर्म है, जिसका उपयोग सरकारी लेन-देन और संबंधित वित्तीय परिचालनों में किया जाता है। फ्हकके अनुसार सरकारी प्रतिभूतियों तथा स्टेट डेवलपमेंट लोन्स का बाजार भी उसके वित्तीय बाजार ढांचे का हिस्सा है। इस व्यवस्था का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि राज्य सरकार बाजार से ऋण जुटाते समय ब्याज लागत को ध्यान में रखकर वित्तीय निर्णय ले सकती है। कम लागत पर संसाधन जुटने से सरकार के बजट पर ब्याज भुगतान का दबाव अपेक्षाकृत नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

विकास के लिए ऋण, लेकिन पुनर्भुगतान भी महत्वपूर्ण

किसी भी राज्य के लिए बाजार से ऋण लेना अपने आप में असामान्य नहीं है। महत्वपूर्ण यह होता है कि ऋण का उपयोग किस प्रकार की परिसंपत्तियां और सार्वजनिक सुविधाएं विकसित करने में किया जा रहा है तथा भविष्य में उसके मूलधन और ब्याज का भुगतान किस तरह किया । मध्यप्रदेश में सड़क, सिंचाई, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य अधोसंरचना परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पूंजीगत व्यय की आवश्यकता होती है। ऐसी परियोजनाओं से तत्काल राजस्व प्राप्त होना जरूरी नहीं होता, लेकिन उनका उद्देश्य लंबे समय में कनेक्टिविटी, कृषि उत्पादकता, औद्योगिक गतिविधियों, रोजगार और सार्वजनिक सेवाओं की क्षमता बढ़ाना होता है। इसी कारण राज्य के वित्तीय प्रबंधन में ऋण जुटाने, ऋण की लागत, ब्याज भुगतान और पुनर्भुगतान क्षमता के बीच संतुलन महत्वपूर्ण हो जाता है।

समय पर भुगतान से वित्तीय विश्वसनीयता

राज्य सरकार की ओर से यह रेखांकित किया जाता रहा है कि पूर्व वर्षों में लिए गए ऋणों के पुनर्भुगतान की जिम्मेदारियों को समय पर पूरा किया जा रहा है। यदि किसी राज्य द्वारा अपनी देनदारियों का भुगतान निर्धारित समय-सारणी के अनुसार किया जाता है, तो इससे उसकी वित्तीय विश्वसनीयता और बाजार में उधारी की क्षमता को समर्थन मिल सकता है।

हालांकि, किसी भी वित्तीय दावे का आकलन करते समय कुल बकाया ऋण, ब्याज भुगतान, राजस्व प्राप्तियां, राजकोषीय घाटा और ऋण-जीडीपी/जीएसडीपी अनुपात जैसे संकेतकों को भी साथ में देखना आवश्यक है। केवल समय पर पुनर्भुगतान का तथ्य राज्य की संपूर्ण वित्तीय स्थिति का अकेला मापदंड नहीं माना जा सकता।

अधोसंरचना पर पूंजीगत खर्च की भूमिका

मध्यप्रदेश में अधोसंरचना विकास को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर देखा जा रहा है। बेहतर सड़क और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से परिवहन लागत और यात्रा समय को कम करने में मदद मिल सकती है। सिंचाई और बांध परियोजनाएं कृषि क्षेत्र की जल उपलब्धता बढ़ाने में भूमिका निभा सकती हैं। बिजली क्षेत्र की परियोजनाएं औद्योगिक और घरेलू मांग को पूरा करने की क्षमता बढ़ाती हैं। इसी तरह मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य अधोसंरचना का विस्तार केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे चिकित्सा शिक्षा, विशेषज्ञ सेवाओं और क्षेत्रीय स्वास्थ्य सुविधाओं की क्षमता विकसित हो सकती है।

राज्य की निवेश नीतियों में भी औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स, निर्यात और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों पर जोर दिखाई देता है। मध्यप्रदेश सरकार की औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स, निर्यात और नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी नीतियां सूचीबद्ध हैं।

वित्तीय अनुशासन के साथ विकास की चुनौती

विकास परियोजनाओं के लिए ऋण जुटाना तभी टिकाऊ माना जाता है जब उससे पैदा होने वाली आर्थिक और सामाजिक उपयोगिता ऋण की लागत तथा भविष्य की देनदारियों के अनुरूप हो। इसलिए राज्य के सामने दोहरी जिम्मेदारी है–एक ओर आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण तेजी से करना और दूसरी ओर ऋण तथा ब्याज के बोझ को नियंत्रित रखना। मध्यप्रदेश के वित्तीय प्रबंधन का मूल्यांकन करते समय आने वाले वर्षों में पूंजीगत व्यय, राजस्व संग्रह, ब्याज भुगतान, कुल देनदारियों, राजकोषीय घाटे और विकास परियोजनाओं से उत्पन्न आर्थिक लाभ जैसे संकेतकों पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा।

निष्कर्षतः, एसडीएल के माध्यम से बाजार से संसाधन जुटाना, प्रतिस्पर्धी बोली के जरिए ऋण की लागत निर्धारित करना और निर्धारित समय पर देनदारियों का भुगतान करना राज्य के वित्तीय प्रबंधन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। विकास परियोजनाओं को गति देने के साथ वित्तीय अनुशासन बनाए रखना ही दीर्घकालीन और टिकाऊ अधोसंरचना विकास की आधारशिला बन सकता है।

(मोदी जी के शासन के 25 वर्षों पर आलेख)

समग्र विकास से सिद्धी



अखिलेश जैन, सीए

मोदी जी के 25 वर्षों के शासनकाल की भारत की यात्रा वास्तव में समग्र विकास से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रयासों की यात्रा है। अपरिवर्तनशील वास्तविकता है कि सूर्य पूर्व में ही उगता है उसी तरह शाश्वत सत्य है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत निराशा, भाई भतीजावाद, जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, कालेधन, जमाखोरी, आयात पर निर्भरता, तुष्टीकरण, संस्कृति का अपमान, गुलामी के प्रतीकों जैसी तमाम बेड़ियों को तोड़कर सुन्दर, सुखद, भविष्य के निर्माण हेतु रात-दिन एक करके, बिना रुके-बिना थके, बिना दाँये-बिना बाँये देखे कठिन से कठिन अग्नि परीक्षा जैसी चुनौतियों को पार करके भविष्य निर्माण में जुटा हुआ है। आज भारत का लक्ष्य, ध्येय, सपना, नारा, वचन तथा एक ही दशरथ नन्दन प्रभु श्री रामचन्द्र जी के श्री चरणों में प्रार्थना है- "विकसित भारत@2047।



"विकसित भारत@2047 लक्ष्य की गहराई को जानने वाले ही, लक्ष्य की गंभीरता को जान सकते हैं। नारा आसान है, लक्ष्य गंभीर है, "विकसित भारत@2047 के लक्ष्य सिद्धी के लिए उससे भी बड़ा तप करना पड़ेगा जितना तप महाराज भगीरथ ने गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए किया था। महाराज भगीरथ के कठोर तप से प्रसन्न होकर ब्रम्हा जी ने गंगा को पृथ्वी पर उतरने का वरदान दिया था, महाराज भगीरथ का तप तो केवल एक सिद्धी गंगा को पृथ्वी पर उतारने के लिए था पर मोदी जी के नेतृत्व में भारत का तप तो "विकसित भारत@2047 के लिए है, इस सिद्धि को पाने के पहले तमाम सिद्धियां पार करना पड़ेंगी, तमाम बाधाओं को पार पाना पड़ेगा जो मुख्य सिद्धि के मार्ग में बाधा हैं, बाधाओं को दूर करने के साथ-साथ बाधाओं को दूर करने की गति को भी गति देना पड़ेगी।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ चुका है,12वीं अर्थव्यवस्था से विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था के कदम बढ़ा रहा है। महिलाएं नीति निर्णय में भागीदार बन रही हैं, अर्थव्यवस्था की मजबूती व स्थायित्व में महिलाओं का योगदान लाने में भारत सफल हो रहा है, 2014 से भ्रष्टाचार की खबरों को मसाला न मिलने के कारण जनता में उत्साह का संचार करने में सरकार को बहुत बड़ी सफलता मिली है, इसके सकारात्मक परिणाम बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में हैं, देश की सीमाएँ सुरक्षित हैं, परिन्दा भी पर नहीं मार पाता क्योंकि सरकार व सेना की कार्यवाहियों का लेखा जोखा नेत्रहीन भी तुरन्त पढ़ लेता है। सरकार का आतंकवाद विरोधी निर्णय देश में स्थिरता, शांति व प्रगति लाने में सहायक हुआ है।

आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों की खोज व विकास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सनातन संस्कृति की रक्षा व संरक्षण, शिक्षण, प्रशिक्षण व रोजगार की संभावनाएं, करों का सरलीकरण, हर व्यक्ति का बैंक में खाता, गरीब को चिकित्सा सुविधा, आवास, पेयजल, स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, शौचालय, दिल्ली से चली राशि बिना किसी कट के सीधे हितग्राहियों के खाते में बराबर व तुरन्त पहुंचना, 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों ने आर्थिक प्रगति में जो योगदान दिया है उसी कारण विदेशी निवेश भारत के दरवाजे पर लाईन लगा कर खड़ा है, जीडीपी, जीएसटी व आयकर शिखर पर, 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर, अगर सफलता की गति बरकरार रहती है तो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था व " विकसित भारत @ 2047 की सिद्धी पाने में भारत शीघ्र सफलता पाएगा।

(लेखक भाजपा मप्र के कोषाध्यक्ष हैं)

एशियन गेम्स में दुनिया ने देखा भारत की नारी शक्ति का दम

निर्मला भूरिया

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में भी मध्य प्रदेश की बेटियों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। ईशिका चौधरी, बिच्छू देवी और सुशीला चानू भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहीं, जिसने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। एक बेटी की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि वह पूरे परिवार, समाज और देश की सोच को बदलने की ताकत रखती है। एशियन गेम्स में बेटियों की सफलता उन सभी परिवारों के लिए प्रेरणा है, जो अपनी बेटियों को खेल, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए वातावरण तैयार हुआ है। ह्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न से लेकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने तक की सोच अब जमीन पर दिखाई दे रही है।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को 85 पदक दिलाए और पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारत के खाते में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक आए। इस उपलब्धि की सबसे गौरवपूर्ण तस्वीर यह है कि महिला खिलाड़ियों ने 38 पदक अपने नाम किए, जो पुरुष खिलाड़ियों के बराबर हैं। इनमें 11 स्वर्ण पदक महिला खिलाड़ियों और महिला टीमों ने जीते।

भारत की बेटियों का यह प्रदर्शन केवल खेल की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह बदलते भारत और सशक्त होती नारी शक्ति की तस्वीर है। क्रिकेट में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण जीतकर देश का गौरव बढ़ाया, वहीं महिला कबड्डी और महिला हॉकी टीम ने भी स्वर्णिम सफलता हासिल की। महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम वापसी विशेष रूप से ऐतिहासिक रही, जिसने 44 वर्ष बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों की सफलता महिला सशक्तीकरण की सबसे प्रभावशाली तस्वीर है। आज हमारी बेटियां केवल खेल के मैदान में पदक नहीं जीत रहीं, बल्कि वे देश की करोड़ों बेटियों के सपनों को भी नई दिशा दे रही हैं। उनकी सफलता यह विश्वास मजबूत करती है कि बेटी को अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास दिया जाए तो वह किसी भी क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर तक पहुंच सकती है।

व्यक्तिगत स्पधाओं में भी भारतीय बेटियों ने नए इतिहास रचे। कुमकुम मोहोड ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत के लिए पहला एशियन गेम्स स्वर्ण पदक जीता। महिला रिकर्व टीम ने भी स्वर्ण अपने नाम किया। निशानेबाजी में नीरू धांडा ने स्वर्ण पदक जीतकर शानदार उपलब्धि हासिल की। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और परवीन हुड्डा ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि गोल्फ में प्रणवी उर्स ने भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक हासिल किया। मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर भारत के लिए इस खेल में लंबे अंतराल के बाद पदक दिलाया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में मध्य प्रदेश की बेटियों ने भी अपनी प्रतिभा और मेहनत का परचम लहराया। प्रदेश की क्रिकेटर क्रांति गौड़ भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा बनीं। छोटे से गांव से निकलकर एशियन गेम्स जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचकर स्वर्ण पदक जीतना उनकी मेहनत और संघर्ष की प्रेरक कहानी है। निशानेबाजी में मध्यप्रदेश की नीरू ढांडा ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने ट्रैप मिक्स्ड टीम में भी स्वर्ण और महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत



पदक हासिल किया। इस तरह नीरू ने एशियन गेम्स में तीन पदक जीतकर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया। निशानेबाजी में ही मध्यप्रदेश की आशी चौकसे ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि मनीषा कीर ने महिला ट्रैप टीम स्पर्धा में रजत पदक हासिल कर देश का मान बढ़ाया। इसी तरह मध्यप्रदेश की अंतरराष्ट्रीय सेलर हर्षिता तोमर ने 49ईआर एफएक्स महिला स्किफ ईवेंट में कांस्य पदक हासिल किया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की स्वर्णिम सफलता में भी मध्य प्रदेश की बेटियों की महत्वपूर्ण भागीदारी रही। ईशिका चौधरी, बिच्छू देवी और सुशीला चानू भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहीं, जिसने एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। एक बेटी की सफलता केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं होती, बल्कि वह पूरे परिवार, समाज और देश की सोच को बदलने की ताकत रखती है। एशियन गेम्स में बेटियों की सफलता उन सभी परिवारों के लिए प्रेरणा है, जो अपनी बेटियों को खेल, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए वातावरण तैयार हुआ है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने तक की सोच अब जमीन पर दिखाई दे रही है। मध्य प्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं और बेटियों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। एशियन गेम्स की बेटियों की सफलता हमें यह संदेश देती है कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों तक सीमित नहीं है। सच्चा सशक्तिकरण तब है, जब बेटी अपने सपनों का रास्ता स्वयं चुन सके, अपनी प्रतिभा को पहचान सके और अपनी मेहनत के बल पर दुनिया के सामने अपनी पहचान बना सके। आज कुमकुम मोहोड, नीरू धांडा, लवलीना बोरगोहेन, परवीन हुड्डा, प्रणवी उर्स, मीराबाई चानू और भारतीय महिला टीमों की उपलब्धियां देश की हर बेटी को यह संदेश दे रही हैं- आसमान कोई सीमा नहीं है।

एशियन गेम्स में भारतीय बेटियों ने पदक जीतकर सिर्फ तिरंगा नहीं ऊंचा किया, बल्कि महिला सशक्तिकरण की नई इबारत भी लिखी है। यह उपलब्धियां आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बनेंगी और उन्हें यह विश्वास देंगी कि उनके सपनों को पूरा करने के लिए देश उनके साथ खड़ा है।

न्यूज ब्रीफ

केआरजी कॉलेज में श्रमदान कर बावड़ी को किया साफ



ग्वालियर। केआरजी कॉलेज स्थित बावड़ी में नगर निगम की टीम ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत बावड़ी के आसपास उगी झाड़ियों को साफ किया गया। साथ ही आसपास पूरे क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाकर बावड़ी को चमका दिया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत सोमवार को नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार केआरजी कॉलेज स्थित प्राचीन बावड़ी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान में नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ केआरजी कॉलेज की छात्राओं ने श्रमदान कर बावड़ी की सफाई की। जिससे बावड़ी परिसर में जमा मालवा, कचरा एवं गंदगी को साफ किया गया।

प्रशासन ने बंद कराया 10 ईंट भट्टों का संचालन



ग्वालियर। जले में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिये कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर राजस्व अमले द्वारा 10 ईंट भट्टों को बंद कराने की कार्रवाई की गई है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झांसी रोड ने ईंट भट्टों के संचालन को बंद करने के लिये गठित दल द्वारा सोमवार को 10 ईंट भट्टों पर कार्रवाई कर ईंट भट्टों का संचालन बंद कराया गया है। जिन ईंट भट्टों का संचालन बंद कराया गया है उनमें मैसर्स साईं ईंट उद्योग जारगा एवं सौसा के ईंट भट्टे शामिल हैं। तहसीलदार सिटी सेंटर कुलदीप दुबे, अपर तहसीलदार महेश दुबे, नायब तहसीलदार सुरेश सिंह यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद मुरार अतुल सक्सेना, क्षेत्रीय अधिकारी उत्पल सिंह भदौरिया, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सक्षम प्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं सहायक यंत्री विद्युत विभाग शामिल थे।

सेवा-संकल्प अभियान के तहत वार्ड-38 में आंगन मिलन



ग्वालियर। 'सेवा-संकल्प' अभियान के तहत वार्ड-38 में आंगनवाड़ी केंद्र गोल पहाड़िया क्रमांक-5 पर 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री श्रीमती अंजलि रायजयादा, मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूनम गंगोटिया और जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति उपस्थित रहे। महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री श्रीमती अंजलि रायजयादा का स्वागत जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय ने किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों, माताओं एवं अभिभावकों को एकत्रित कर पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं बाल विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पर्यवेक्षक सुश्री कुसुम तोमर ने गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा अभिभावकों को बच्चों के संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक देखभाल के संबंध में जागरूक किया। महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री श्रीमती अंजलि रायजयादा ने समुदाय के लोगों से आंगनवाड़ी केंद्र की सेवाओं से जुड़ने तथा बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

रामलीला मैदान, मेहगांव में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया

मेहगांव में सेवा सेतु शिविर का सफल आयोजन, 105 उपभोक्ताओं ने सोलर रूफटॉप के लिए कराया पंजीयन

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार एवं सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रामलीला मैदान, मेहगांव में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री राकेश शुक्ला जी, मंत्री, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, मध्य प्रदेश शासन ने नागरिकों को अपने घरों पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाकर उपभोक्ता बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा दे सकते हैं। कार्यक्रम में श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी, मंत्री, ऊर्जा विभाग, मध्य प्रदेश शासन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए और प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। शिविर में उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, सब्सिडी एवं सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना से संबंधित जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर के दौरान 105 उपभोक्ताओं ने सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापना के लिए पंजीयन कराया, जो क्षेत्र में सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ती जागरूकता एवं रुचि को दर्शाता है कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री नितिन मंगलिक, महाप्रबंधक, ग्वालियर, श्री मनीष गौतम, महाप्रबंधक, भिंड, सुश्री लक्ष्मी सोनवानी, उप महाप्रबंधक, मेहगांव सहित विद्युत कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में श्री देवेंद्र नरवरिया (भाजपा जिलाध्यक्ष), श्री रोहित करैया (मंडल अध्यक्ष, मेहगांव), श्रीमती कंचन पिंटू राठौर (अध्यक्ष, नगर परिषद मेहगांव), श्री कुलकर्णी मुख्य अभियंता (ऋष्ट), श्री तरुण स्वरूप (ऊर्जा विकास निगम), श्री विनोद कटारे सहित एवं ऊर्जा विकास निगम के अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में मुख्य महाप्रबंधक, ग्वालियर श्री विनोद कटारे जी द्वारा उपस्थित अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी हितधारकों के सहयोग की सराहना करते हुए हरित ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर अपने घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करें तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के प्रसार में सहभागी बनें। क्षेत्र में नागरिकों को बिजली से जुड़ी सुविधाओं का लाभ एक ही छत के नीचे सुलभ कराने के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर 'सेवा सेतु शिविर' का आयोजन किया गया। इस शिविर में उपभोक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा। शिविर के दौरान केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर रूफटॉप लगवाने के लिए उपभोक्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिविर में कुल 105 उपभोक्ताओं ने सोलर रूफटॉप के लिए अपना पंजीयन कराया।

मुख्य मार्गों के डिवाइडरों को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने अभियान चलाए पार्क विभाग : निगमायुक्त

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर के सभी मुख्य मार्गों के डिवाइडर एवं उनके आस-पास गाजर घास व पेड़ पौधों की छटाई व कटाई के लिए पार्क विभाग अभियान चलाकर कार्यवाही करे और कार्य ऐसा करे कि जनता को दिखाई दे। इसकी हर सप्ताह रिपोर्ट दें कि कितने डिवाइडर साफ हुए। उक्ताशय के निर्देष नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने पार्क विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त पार्क मुकेश बंसल को दिए।

बाल भवन के टीएलसी में आयोजित समीक्षा बैठक के प्रारंभ में उपायुक्त श्री मुकेश बंसल द्वारा पार्क विभाग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें श्री बंसल द्वारा बताया गया कि शहर में कुल 292 पार्क है, जिसमें से 148 पार्क विकसित हैं तथा 144 पार्क अविकसित हैं। गोलंबर 43 एवं डिवाइडर 55 हैं, जिसकी लबांई 86.38 किमी है। इसके साथ ही उन्होंने पार्क विभाग में पदस्थ कर्मचारियों एवं संसाधनों की जानकारी दी तथा बताया कि विभाग में मैन पावर की कमी है। जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही निगमायुक्त श्री चौधरी ने निर्देशित किया कि नव दुर्गा पर्व के अवसर पर शीतला माता के दर्शनों के लिए जाने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए दक्षिण विधानसभा अंतर्गत जो मंदिर का रूट है उसके दोनों ओर पेड़ों की कटाई छटाई एवं झाड़ियों की कटाई व सफाई आवश्यक रूप से करा दें।

वहीं एनकैप द्वारा दो डिवाइडर का मेंटेनेंस किया जा रहा

जीवनसाथी ऐप से हुई मुलाकात, शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म का आरोप

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



एक युवक ने जीवनसाथी एप पर हुई पहचान के बाद शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाए और उसे धमकी दी युवती की शिकायत पर पुलिस ने भिंड के गोहद निवासी प्रदीप उर्फ दीपक मिश्रा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है शिकायत में बताया कि करीब एक साल पहले प्रदीप युवती के घर उसके माता-पिता से मिलने पहुंचा था। इस दौरान युवती के परिजनों को वह पसंद नहीं आया और उसके शादीशुदा होने की जानकारी सामने आने पर उन्होंने शादी से इनकार कर दिया। घटना स्थल बहोड़ापुर क्षेत्र का होने के कारण मामले की विवेचना बहोड़ापुर थाना पुलिस को उत्तरप्रदेश निवासी युवती ने शिकायत की है कि वर्ष 2023 में उसकी पहचान जीवनसाथी एप के जरिए प्रदीप मिश्रा निवासी लहार से हुई थी। दोनों के बीच फोन और वाट्सऐप पर बातचीत होने लगी। युवती का आरोप है कि प्रदीप ने खुद को कुंवारा बताते हुए उससे शादी करने की बात कही। इसके बाद अप्रैल 2025 में वह उसे शादी का झांसा देकर उरवाई गेट स्थित अपने दोस्त के किराये के कमरे पर ले गया और संबंध बनाए। इसके बाद कई बार उसे उसी कमरे और उरवाई गेट के पास स्थित होटल में ले गया और दुष्कर्म किया 7 युवती ने पुलिस को बताया कि अगस्त 2025 में प्रदीप ने उसे आखिरी बार उरवाई गेट स्थित कमरे पर बुलाया और उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए। वह उसे ग्वालियर आने पर जान से मारने की धमकी देता है और पिस्टल रखता है। आरोपी कई बार उसके घर पहुंचकर परिवार को धमकाता है और घर के बाहर बैठा रहता है। डर के कारण वह कॉलेज भी नहीं जा पा रही है।

कचरा गाड़ी से बाइक की जोरदार भिड़ंत, टोल मैनेजर ने तोड़ा दम

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



सिरोल थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह सड़क हादसे में बिलौआ टोल प्लाजा के मैनेजर समर्थ गर्ग (52) की मौत हो गई। वह नाइट ड्यूटी के बाद बाइक से घर लौट रहे थे तभी गोकुलधाम सोसाइटी के पास हाईवे पर रॉन्ग साइड से आ रहा कचरा हाथ ठेला उनकी बाइक के सामने आ गया। टक्कर लगते ही समर्थ सिर के बल सड़क पर गिरे। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें पहले आईटीएम हॉस्पिटल और फिर जेएएच अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कोस्मो एम्पायर सिरोल निवासी हर्षित गर्ग (21) ने पुलिस को बताया कि उनके पिता समर्थ गर्ग बिलौआ टोल प्लाजा पर टोल मैनेजर थे। सोमवार सुबह करीब 8:30 बजे नाइट ड्यूटी पूरी करने के बाद वे मोटरसाइकिल (स्क्क06 रूड्ड-2251) से घर लौट रहे थे। गोकुलधाम सोसाइटी हाईवे स्थित हाइब्रिड के पास यह हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, कचरा हाथ ठेला तेजी और लापरवाही से रॉन्ग साइड से आ रहा था। इसी दौरान उसकी समर्थ की बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में उनके सिर में अंदरूनी और बाहरी चोटें आईं। हादसे की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। बेहोशी की हालत में समर्थ को एम्बुलेंस से आईटीएम हॉस्पिटल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जेएएच अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिरोल थाना पुलिस ने जांच के बाद कचरा हाथ ठेला चलाने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है ।

मुरार जिला अस्पताल का जनरेटर 1 महीने से बंद:पांच घंटे बिजली गुल, एक्स-रे जांच रुकी

ग्वालियर। ग्वालियर जिला अस्पताल मुरार में वैकल्पिक बिजली व्यवस्था के लिए लगा बड़ा जनरेटर करीब एक महीने से खराब है। शनिवार को करीब पांच घंटे बिजली बंद रहने के दौरान इसका असर मरीजों की जांच और इलाज पर पड़ा। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बिजली नहीं आने से एक्स-रे जांच बंद रही और नेत्र विभाग में निर्धारित छह ऑपरेशन टालने पड़े। बीते शनिवार को अस्पताल में करीब पांच घंटे बिजली गुल रही। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक बिजली नहीं आने के कारण जनरेटर खराब होने से वैकल्पिक बिजली व्यवस्था भी नहीं मिल सकी। इस दौरान एक्स-रे जांच बंद रही। मरीजों को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ा और कई मरीजों को दोबारा आने की बात कही गई। मरीजों को मोबाइल की रोशनी में जांच और उपचार भी कराना पड़ा। 6 मरीजों के ऑपरेशन टालने पड़े बिजली बंद रहने का असर नेत्र विभाग पर भी पड़ा। यहां छह मरीजों के ऑपरेशन निर्धारित थे। ऑपरेशन की तैयारी कर चुके मरीजों को वापस लौटना पड़ा। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक बिजली और बैकअप की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण मरीजों की सुरक्षा को देखते हुए ऑपरेशन करना संभव नहीं था। इसलिए करीब छह ऑपरेशन टालने पड़े। 250 यूनिट ब्लड पर बढ़ी चिंता ब्लड बैंक में करीब 250 यूनिट ब्लड रखा हुआ था। बिजली जाने की स्थिति में यहां अलग बैकअप व्यवस्था नहीं होने से परेशानी बढ़ गई।

नकाबपोश बदमाशों ने कट्टा अड़ाकर बाइक, मोबाइल और 10 हजार लूटे

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

कंपू थाना क्षेत्र में रविवार रात दो नकाबपोश बदमाशों ने बाइक सवार दो भाइयों को रास्ते में रोककर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने पहले बबूल के कांटों वाले डंडे से एक युवक के हाथ पर हमला किया। इसके बाद दोनों भाइयों से मारपीट करते हुए देशी कट्टा अड़ा दिया और उनकी बाइक, दो मोबाइल फोन तथा जेब में रखे 10 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए।

घटना भैरों बाबा मंदिर के पास की बताई गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। झाड़ियों से निकलकर बाइक के सामने आए बदमाश चिरवाई नाका निवासी जितेंद्र कुशवाह (34) पुत्र धीर सिंह कुशवाह रविवार रात करीब 10:30 बजे अपने भाई रितिक कुशवाह के साथ लोहिया बाजार से सामान खरीदकर बाइक क्रमांक एमपी 07 एमएक्स 9412 से घर लौट रहे थे। दोनों लिटिल एंजिल स्कूल के सामने से भैरों बाबा मंदिर की ओर मुड़े थे। इसी दौरान झाड़ियों के पास छिपे दो नकाबपोश बदमाश अचानक बाइक के सामने आ गए। एक बदमाश ने बबूल के कांटों से भरे डंडे से जितेंद्र के हाथ पर वार कर दिया। अचानक हुए हमले से बाइक अनियंत्रित होकर रुक गई। इसके बाद दोनों बदमाशों ने दोनों भाइयों के साथ मारपीट की और देशी कट्टा अड़ाकर उनकी जेब से 10 हजार रुपये तथा दो मोबाइल फोन छीन लिए। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश दोनों भाइयों की बाइक भी लेकर मुख्य सड़क की ओर भाग निकले। जितेंद्र और रितिक ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी तेज रफ्तार से फरार हो गए। इसके बाद जितेंद्र ने एक राहगीर के मोबाइल फोन से अपने परिजनों को घटना की सूचना दी।

निगमायुक्त ने की कॉलोनी सेल एवं भवन शाखा की समीक्षा

अवैध निर्माण एवं अनुमति के विपरीत निर्माण पर भवन अधिकारी करें कार्यवाही

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शहर में अवैध निर्माण, अवैध प्लॉटिंग और अनुमति के विपरीत किए जा रहे निर्माण कार्यों पर नगर निगम अब सख्ती से कार्रवाई करेगा। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सभी भवन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण करने और अवैध निर्माण को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भवन अधिकारी अपने क्षेत्र में इस बात की निगरानी रखें कि कहीं भी बिना अनुमति के निर्माण अथवा स्वीकृत भवन अनुज्ञा के विपरीत निर्माण कार्य न हो।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने बाल भवन के टीएलसी में आयोजित कॉलोनी सेल एवं भवन शाखा की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए। बैठक में सिटी प्लानर सुरेश अहिरवार सहित सभी भवन अधिकारी, भवन निरीक्षक और कॉलोनी सेल के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में भवन अनुज्ञा, अवैध निर्माण, अवैध प्लॉटिंग, कॉलोनी विकास, भवन निर्माण की कंपाउंडिंग सहित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई।

अवैध निर्माण पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

निगमायुक्त ने कहा कि प्रत्येक भवन अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र का नियमित निरीक्षण करें और अवैध निर्माण



की स्थिति सामने आने पर उसे तत्काल चिन्हित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में अवैध निर्माण को बढ़ने नहीं दिया जाए। यदि किसी स्थान पर बिना अनुमति के निर्माण किया जा रहा है अथवा स्वीकृत अनुमति के विपरीत निर्माण किया जा रहा है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की ओर से अवैध निर्माण से संबंधित जो भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनका गंभीरता से परीक्षण किया जाए। शिकायतों को केवल औपचारिकता के तौर पर नहीं लिया जाए, बल्कि मौके पर निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की जांच की जाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की जाए।

अवैध कॉलोनी और प्लॉटिंग पर भी नजर

समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने अवैध कॉलोनी निर्माण और अनधिकृत प्लॉटिंग को लेकर भी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन अधिकारी अपने क्षेत्र में यह भी जांच करें कि कहीं बिना स्वीकृति के कॉलोनी विकसित करने अथवा जमीन की अवैध रूप से प्लॉटिंग करने का कार्य तो नहीं किया जा रहा है। यदि किसी क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित करने या अनधिकृत प्लॉटिंग की जानकारी मिलती है तो संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए। डीम्ड परमिशन की सूची मांगी बैठक में निगमायुक्त ने भवन अनुज्ञा से संबंधित मामलों की भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अब तक जारी की गई डीम्ड परमिशन की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

झउन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में डीम्ड परमिशन जारी

संक्षिप्त समाचार

नोएडा-ग्रेनो में नवरात्र से पहले ही 9 हजार गाड़ियों की बुकिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। नवरात्र में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के ऑटोमोबाइल बाजार में जोरदार तेजी आई है। शुभ मुहूर्त के 9 दिनों में 9,000 से अधिक नए वाहनों की डिलीवरी की तैयारी है। शुभ मुहूर्त में वाहन घर ले जाने के लिए लोगों ने पहले से बुकिंग करा रखी है। डीलरों के अनुसार, आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है। नए मॉडलों की लॉन्चिंग, त्योहारी छूट और शुभ दिनों में वाहन खरीदने की परंपरा से मांग बढ़ी है। नवरात्र 11 से 19 अक्तूबर तक हैं। इन दिनों में डिलीवरी के लिए बड़ी संख्या में वाहन बुक किए गए हैं। दोपहिया और चार पहिया वाहन डीलरों के अनुसार नवमी पर



डिलीवरी की मांग अधिक है। कर्मा हुंडई के मुख्य बिजनेस अधिकारी मोहम्मद इमरान ने बताया कि नवरात्र में कारों की बुकिंग को लेकर ग्राहकों में उत्साह है। दो शोरूम से 150 से अधिक कारों की डिलीवरी की तैयारी है। मॉडल और कीमत के आधार पर ग्राहकों का रुझान अलग-अलग है। सागर मोटर्स के जीएम सेल्स दीपक वर्मा ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा के 5 शोरूम से 800 से अधिक वाहनों की डिलीवरी होगी। ग्राहक कम बजट वाली कारों पर टूट पड़ रहे हैं। आलम यह कि इस बार 10 लाख रुपये तक कीमत वाली कारों की बुकिंग सबसे ज्यादा है। मारुति, महिंद्रा समेत अन्य कंपनियों की 2,000 से अधिक कारों की डिलीवरी नवरात्र में होने की तैयारी है। दोपहिया वाहन डीलरों के अनुसार, एक सामान्य डीलरशिप से नवरात्र के दौरान औसतन 50 से 150 वाहनों की डिलीवरी होने की उम्मीद है। मांग को देखते हुए कई डीलरशिप पर डिलीवरी और पंजीकरण की तैयारियां बढ़ा दी गई हैं।

मजबूती फ्री नहीं मिलती, पीएम मोदी के प्रधान सचिव की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा का कहना है कि भारत की आर्थिक



मजबूती की कोशिश का मतलब खुद को ग्लोबल मार्केट से अलग-थलग करना नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि घरेलू उत्पादन सबसे सस्ते ग्लोबल मार्केट से सामान खरीदने की तुलना में महंगा हो सकता है। 5वें कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव में पहुंचे मिश्रा ने कहा कि घरेलू क्षमता बनाने का फायदा मुश्किल या रुकावट के समय साफ दिखता है। उन्होंने कहा, 'घरेलू उत्पादन की लागत सबसे सस्ते ग्लोबल मार्केट से आयात करने से ज्यादा हो सकती है। इसका फायदा तभी पता चलता है जब कोई रुकावट आती है।' वह बोले, 'मजबूती का मतलब दुनिया से अलग-थलग रहना नहीं हो सकता। इसका मतलब यह होना चाहिए कि हम दुनिया के लिए खुले रहें। लेकिन, उस पर बहुत ज्यादा निर्भर या कमजोर न हों।' मिश्रा ने बताया कि अनिश्चितता आर्थिक व्यवहार को बदल देती है। कारण है कि बिजनेस तेजी से बदलते और अनिश्चित भविष्य को देखते हुए निवेश टालते हैं। सप्लायर बदलते हैं। ज्यादा इन्वेंट्री के साथ ही अतिरिक्त क्षमता बनाए रखते हैं। इसी तरह सरकारें भी रिजर्व बनाती हैं। फिस्कल बफर मजबूत करती हैं। ऐसी क्षमताओं में निवेश करती हैं जो सामान्य समय में महंगी लग सकती हैं। लेकिन, झटकों के समय बहुत काम आती हैं। इससे पता चलता है कि मजबूती हासिल करने में अतिरिक्त लागत आती है।

1200 की बचत, 3 दिन में डिलीवरी...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में एयर कंडीशनर बनाने वाली बड़ी कंपनियां अब अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स को उत्तर भारत से दक्षिण भारत की ओर ले जा रही हैं। इसके पीछे सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना के साथ दक्षिण भारत में तेजी से बढ़ती की मांग भी बड़ी वजह है।

पिछले पांच वर्षों में जैसी बड़ी एसी कंपनियों ने आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में अपनी नई फैक्ट्रियां शुरू की हैं। इसके अलावा, टाटा ग्रुप की कंपनी ने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में अपने एसी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किए हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक श्रीपेरंबुदूर में सैमसंग इंडिया के मौजूदा प्लांट के साथ मिलकर ये सभी इकाइयां 100 किलोमीटर लंबे 'श्रीपेरंबुदूर-चेन्नई-श्री सिटी' कॉरिडोर को देश के सबसे नए और बड़े एसी मैन्युफैक्चरिंग बेल्ट में बदल रही हैं। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में तमिलनाडु की सीमा के पास स्थित श्री सिटी करीब 8500 एकड़ में फैला निजी औद्योगिक शहर है। श्री सिटी के को-फाउंडर और



मैनेजिंग डायरेक्टर रविंद्र सन्नारेड्डी ने यहां एसी के प्रोडक्शन को लेकर ये बातें बताईं: पिछले पांच साल में यहां करीब 10 भारतीय और विदेशी एसी कंपनियों ने निवेश किया है। इसके अलावा 34 कंपनियां के कंपोनेंट बनाने का काम कर रही हैं। इन कंपनियों की कुल उत्पादन क्षमता अगले साल करीब 80 लाख एसी यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। वर्ष 2027 तक भारत में बनने वाले कुल एसी में से लगभग 60 प्रतिशत उत्पाद अकेले श्री सिटी से आ सकते हैं। अगर पास के तमिलनाडु में स्थित सैमसंग, मित्सुबिशी और वोल्टास के प्लांट्स को जोड़ दिया जाए, तो यह आंकड़ा और भी अधिक हो जाएगा।

लंबा गर्मी का मौसम

एसी कंपनियों के दक्षिण भारत जाने की एक और बड़ी वजह यहां का मौसम है। उद्योग से जुड़े लोगों के मुताबिक, दक्षिण भारत में ठंड का मौसम उत्तर भारत की तुलना में काफी छोटा होता है। कई शहरों में साल के ज्यादातर समय गर्मी रहती है। आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अक्टूबर के महीने में भी की जरूरत बनी रहती है। अप्रैल और मई में गर्मी बढ़ने के साथ मांग और तेज हो जाती है। यानी कंपनियों के लिए दक्षिण भारत सिर्फ एक तेजी से बढ़ता बाजार नहीं है, बल्कि यहां कूलिंग सीजन भी लंबा चलता है। यही वजह है कि कंपनियां उत्पादन को बाजार के करीब ले जाने पर जोर दे रही हैं।

उत्तर से दक्षिण की ओर शिफ्ट का कारण

भारत में एसी मैन्युफैक्चरिंग की शुरुआत 1980 के दशक में गुरुग्राम में अमेरिकी कंपनी कैरियर के साथ हुई थी, जिसके बाद 2008 में जापानी दिग्गज डाइकिन ने राजस्थान के नीमराना में प्लांट लगाया था। लेकिन अब यह उद्योग तेजी से दक्षिण भारत की ओर शिफ्ट हो रहा है। इसके पीछे दो मुख्य रणनीतिक और व्यावसायिक कारण हैं। लॉजिस्टिक्स और माल ढुलाई खर्च में बड़ी बचत श्री सिटी स्थित एक एसी कंपनी के प्लांट मैनेजर ने बताया कि दक्षिण भारत के बाजारों के पास मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने के बड़े आर्थिक फायदे हैं। चेन्नई या श्री सिटी में फैक्ट्री लगाने से प्रति एसी लगभग 1200 रुपये तक की लागत बच जाती है। श्री सिटी चेन्नई पोर्ट से केवल 65 किलोमीटर दूर है। एसी के 50-60 प्रतिशत पार्ट्स आयात किए जाते हैं। इसलिए पोर्ट पास होने से कच्चे माल की आवक और तैयार माल के निर्यात दोनों में आसानी होती है। उत्तर भारत से दक्षिण तक सामान भेजने में जहां 12 दिन का समय लगता था, वह अब घटकर महज 3 दिन रह गया है।

उधर अमेरिका से बढ़ रही टेंशन

इधर भारत के साथ कनाडा ने सेट कर दिया 6.7 लाख करोड़ का टारगेट



नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका से बढ़ती दूरी के बीच कनाडा ने भारत के साथ व्यापार का तगड़ा टारगेट सेट किया है। दोनों देशों ने अगले पांच सालों में अपने आपसी व्यापार को 30 अरब डॉलर से बढ़ाकर 70 अरब डॉलर (करीब 6.7 लाख करोड़ रुपये) तक ले जाने का टारगेट रखा है। कनाडा के इंटरनेशनल ट्रेड मिनिस्टर मनिंदर सिद्धू ने बताया है कि फ्री ट्रेड को लेकर जारी बातचीत के आने वाले महीनों में पूरी होने की उम्मीद है। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका के साथ कनाडा की दूरी बढ़ी है। ट्रंप प्रशासन ने कनाडा से आने वाले 1 अरब डॉलर के आयात पर हाल में पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। 'नेताओं ने हमारे लिए जो विजन तय किया है, वह अगले पांच सालों में व्यापार को 30 अरब डॉलर से बढ़ाकर 70 अरब डॉलर तक ले जाना है।

अभी सीक्रेट है बातचीत

व्यापार समझौते से जुड़े अहम सेक्टरों के बारे में बात करते हुए मंत्री ने कहा कि बातचीत जारी होने के कारण इसकी बारीकियां अभी गोपनीय हैं। लेकिन, सप्लाई चेन में विविधता लाने पर काफी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'बातचीत जारी है। इसलिए मीडिया के जरिए इसकी जानकारी देते समय मैं बहुत सावधानी बरतूंगा। हालांकि, मेरी बातों से आप समझ सकते हैं कि यह सहयोग के बारे में है। भारत अपनी कुछ सप्लाई चेन में विविधता लाना चाहता है। अगर हम जरूरी मिनरल की बात करें तो भारत का ऑटो सेक्टर बढ़ रहा है। बैटरी के लिए कनाडा पश्चिमी गोलार्ध का एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास इलेक्ट्रो-पैडॉक बनाने के लिए हर जरूरी चीज मौजूद है।

ट्रेड एग्रीमेंट को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमत

इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत और कनाडा 'कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट' के लिए बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। बातचीत का अगला दौर 5 अक्टूबर से शुरू होगा। गोयल ने बताया कि उन्होंने पिछले हफ्ते मुंबई में अपने कनाडाई समकक्ष अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ प्रस्तावित ट्रेड एग्रीमेंट के लिए बातचीत का चौथा दौर पूरा किया। उन्होंने कहा, 'मैंने शुक्रवार को मुंबई में अपने समकक्ष मनिंदर सिद्धू के साथ कनाडा ट्रेड डील के लिए बातचीत का चौथा दौर पूरा किया। बातचीत बहुत फायदेमंद रही। दोनों पक्ष बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सहमत हुए हैं। इसके बाद हमारी टीम अब पांचवें दौर के लिए जाने वाली है। यह 5 अक्टूबर को होगा। तो आप देख सकते हैं कि जैसे-जैसे प्रगति हो रही है, कनाडा के साथ बातचीत की रफ्तार भी बेहतर हो रही है। देखते हैं, अगले 90 दिन कनाडा-भारत संबंधों के लिए बहुत अहम समय साबित होंगे।'

एक दशक से लटका है ट्रेड एग्रीमेंट

यह ताजा दौर दोनों देशों की ओर से एक व्यापक ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की नई कोशिशों के बाद आया है। सिद्धू की 18-19 सितंबर की मुंबई यात्रा से पहले कनाडा ने कहा था कि नए ष्टश्वक्षसमझौते के लिए बातचीत के तीन दौर पूरे हो चुके हैं। दोनों पक्षों का टारगेट 2026 के अंत तक बातचीत पूरी करना है। भारत और कनाडा व्यापक ट्रेड एग्रीमेंट के लिए एक दशक से ज्यादा समय से बातचीत कर रहे हैं। बातचीत औपचारिक रूप से मार्च 20 में फिर से शुरू की गई।

दुनिया को होगा फायदा, नितिन गडकरी ने दिया खास बैंक बनाने का आइडिया



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए एक अंतरराष्ट्रीय आचार संहिता बनाने की जरूरत बताई है। उन्होंने कहा कि भारत को बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में इंफ्रास्ट्रक्चर की अहम भूमिका है।

गडकरी ने यह बात नागपुर में आयोजित एशियन सिनेरियो ऑन इंफ्रास्ट्रक्चरल डेवलपमेंट सम्मेलन में कही। इस दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि दुनिया के अलग-अलग देशों में विकसित हो रही नई तकनीकों, रिसर्च और विचारों को एक जगह लाने के लिए एक समर्पित वेबसाइट बनाई जानी चाहिए। इसे ' बैंक ऑफ आइडियाज ' के तौर पर विकसित किया जा सकता है। गडकरी ने कहा कि इससे पूरी दुनिया के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को फायदा होगा। गडकरी ने कहा कि सड़क और दूसरी परियोजनाओं में बेकार सामग्री का इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ह्यद्भढ्ढ अब तक करीब 80 टन नगर निगम के कचरे का इस्तेमाल सड़क निर्माण में कर चुका है।

उन्होंने कहा कि नागपुर-जबलपुर हाईवे पर करीब एक किलोमीटर सड़क बायो-बिटुमेन से बनाई गई है। सड़क निर्माण में रबर टायर का पाउडर, प्लास्टिक और दूसरे कचरे के इस्तेमाल पर भी काम चल रहा है। हालांकि, गडकरी ने कहा कि ऐसी सामग्री का इस्तेमाल करते समय सड़क की गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए।

लो फैट डेयरी व्हाइटनर पर संकट, एफएसएसएआई ने लगाई बिक्री पर रोक

नई दिल्ली, एजजेंसी। लक-दक फाइव स्टार होटल में आप जाते हैं। वहां कमरे में ही मिनी पेंट्री की व्यवस्था रहती है। पेंट्री में आपको मिल्क पाउडर, शुगर पाउच, कॉफी का छोटा पैक, तरह तरह के टी बैग आदि होते हैं। अब इन होटलों में मिलने वाले मिल्क पाउडर का भी भरोसा नहीं है। क्योंकि दिल्ली के ललित होटल में कुछ ऐसा ही हुआ है। तभी तो फूड सेक्टर के रेगुलेटर ने नेस्ले के 'लो फैट डेयरी व्हाइटनर' को अनसेफ और सब-स्टेंडर्ड पाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले संगठन ने खुद यह जानकारी दी। संगठन ने बताया कि दिल्ली के मेसर्स भारत होटल्स लिमिटेड,



जो कि 'द ललित' के नाम से यहां फाइव स्टार होटल चलाता है, से नेस्ले के लो फैट डेरी व्हाइटनर का सैंपल उठाया गया था। यह जांच में अनसेफ और सब-स्टेंडर्ड पाया गया है। इसके बाद एफएसएस एक्ट 2006 के तहत डायरेक्टिव जारी किया है। साथ ही इस प्रोडक्ट की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। एफएसएसएआई के मुताबिक नेस्ले के 'लो फैट डेयरी व्हाइटनर' का सैंपल नई दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित भारत होटल्स लिमिटेड (द ललित) के परिसर से लिया गया था। इस सैंपल को जांच के लिए फूड एनालिस्ट के पास भेजा गया। फूड एनालिस्ट की लैब रिपोर्ट में नेस्ले का सैंपल अनसेफ और सब-स्टैंडर्ड पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोडक्ट फूड सेफ्टी और स्टैंडर्ड एक्ट 2006 के निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं था। इसका मतलब है कि जांच किए गए सैंपल को खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता से जुड़े मानकों पर खरा नहीं पाया गया। ललित होटल चलाने वाली कंपनी भारत होटल्स लिमिटेड (द ललित) को भी इस मसले में नोटिस मिला है।

इस हफ्ते 8वें पे कमीशन की बड़ी मीटिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें पे कमीशन की इस हफ्ते बड़ी मीटिंग है। आयोग बेंगलुरू में कर्मचारियों और पेंशनर्स से जुड़े संगठनों से मिलने जा रहा है। यह बैठक 7 और 8 अक्टूबर 2026 को होगी। बता दें, बेंगलुरू मीटिंग में शामिल होने के लिए सभी स्टेक होल्डर्स को 18 सितंबर तक यूनिक मेमो आइडी ले लेना था। जिनके बाद यह आइडी होगी वही लोग इस बैठक में हिस्सा ले पाएंगे। इस बैठक में सभी स्टेकहोल्डर्स अपनी डिमांड्स, चुनौतियों आदि से पे कमीशन को अवगत कराएंगे। जिन बातों पर सबसे अधिक चर्चा होने की उम्मीद है उसमें फिटमेंट फैक्टर, डीए, एचआरए आदि है। इसके अलावा पेंशन में भी सुधार की मांग आयोग के सामने आ सकती है। आयोग की अक्टूबर में ही बैठक करने जा रहा है। यह मीटिंग 22 और 23 अक्टूबर को होगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए सभी स्टेकहोल्डर्स को 10 अक्टूबर तक यूनिक मेमो आइडी ले लेना होगा। बता दें, इससे पहले पे कमीशन की मीटिंग दिल्ली, लखनऊ जैसे कई शहरों में हो चुकी है।

हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम की 10 प्रतिशत रकम जेब से देनी होगी!

नई दिल्ली, एजेंसी। हेल्थ इंश्योरेंस लेने वाले लोगों के लिए बड़ा बदलाव सामने आ सकता है। गैर-जीवन बीमा कंपनियां 1 जनवरी 2027 से रिटेल हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में 10 प्रतिशत को-पेमेंट लागू करने पर विचार कर रही हैं। इसका मतलब है कि अस्पताल के इलाज का पात्र क्लेम मंजूर होने पर उसका 10 प्रतिशत हिस्सा ग्राहक को अपनी जेब से देना पड़ सकता है।

हालांकि, ग्राहक का अधिकतम योगदान एक क्लेम पर 5 लाख रुपये तक सीमित रखने का प्रस्ताव है। इसके बदले ग्राहकों को कम सालाना प्रीमियम का फायदा मिल सकता है। यह प्रस्ताव जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के स्तर पर विचाराधीन है।

कैशलेस या रीइंबर्समेंट, 10 प्रतिशत हिस्सा देना होगा: टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक प्रस्ताव के तहत व्यापक हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लेने वाले ग्राहकों को भी इलाज के लिए कुछ रकम अपने पास रखनी होगी। अस्पताल में भर्ती होने के दौरान आने वाले पात्र खर्च का 10 प्रतिशत ग्राहक को देना होगा। यह नियम कैशलेस इलाज और रीइंबर्समेंट, दोनों तरह के क्लेम पर लागू हो सकता है। इसमें बीमारी के साथ-साथ दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने से जुड़े खर्च भी शामिल होंगे।



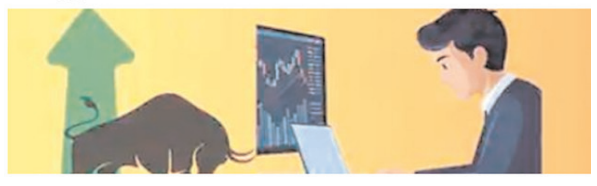
दूसरी पॉलिसी भी नहीं आएगी काम

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि 10 प्रतिशत को-पेमेंट को किसी राइडर या एंडोर्समेंट के जरिए हटाया, घटाया या बदला नहीं जा सकेगा। ग्राहक अपने 10 प्रतिशत हिस्से की रकम किसी दूसरी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी से भी नहीं ले सकेगा। यह प्रस्ताव रिटेल इंडेम्निटी हेल्थ पॉलिसी, ग्रुप के तहत आने वाली रिटेल पॉलिसी, कॉम्बी प्रोडक्ट के इंडेम्निटी हिस्से, इंटरनल माइग्रेशन और पोर्टेबिलिटी कारोबार पर लागू हो सकता है। हेल्थ इंश्योरेंस विशेषज्ञ श्रीराज देशपांडे ने कहा कि ग्राहक को यह चुनने का अधिकार होना चाहिए कि वह कम प्रीमियम वाली को-पेमेंट पॉलिसी लेना चाहता है या ऐसी पॉलिसी जिसमें पूरा खर्च कवर हो। उनके मुताबिक, जो ग्राहक ज्यादा प्रीमियम देकर बड़ा सम इंश्योर्ड लेना चाहता है, उससे इलाज के खर्च का एक हिस्सा फिर भी वसूलना उचित नहीं होगा। इससे लोग ज्यादा कवर वाली पॉलिसी लेने से भी पीछे हट सकते हैं।

अस्पतालों की मनमानी रोकने की कोशिश

इस प्रस्ताव के पीछे बीमा कंपनियों की दलील है कि जब मरीज के पास पूरा हेल्थ इंश्योरेंस कवर होता है, तो कुछ अस्पताल अतिरिक्त जांच, ज्यादा प्रक्रियाएं या लंबे समय तक अस्पताल में रखने की सलाह दे सकते हैं। महंगे कमरे लेने पर भी इलाज का कुल बिल बढ़ सकता है, क्योंकि कई अस्पतालों में डॉक्टर की फीस और कुछ प्रक्रियाओं के शुल्क कमरे के किराये से जुड़े होते हैं। मानना है कि जब पूरा खर्च बीमा कंपनी देती है तो मरीज अस्पताल के बिल और इलाज की लागत पर उतना सवाल नहीं करता। इससे हेल्थकेयर की लागत बढ़ सकती है। इस समस्या को कम करने के लिए प्रस्ताव में कॉमन हॉस्पिटल एम्पैनलमेंट की भी बात कही गई है। जीआई काउंसिल की योजना 4300 से ज्यादा अस्पतालों के लिए एक समान एम्पैनलमेंट व्यवस्था बनाने की है। इसके जरिए अस्पतालों के लिए इलाज की अलग-अलग प्रक्रियाओं और सेवाओं की बेंचमार्क दरें तय करने की कोशिश होगी। साथ ही मनमाने बिल पर रोक लगाने के लिए आउटकम-बेस्ड कॉन्ट्रैक्ट और बीमा कंपनियों-अस्पतालों के बीच शिकायतों को सुलझाने के लिए एक अलग फोरम बनाने का प्रस्ताव है। हालांकि, इंडस्ट्री के कुछ लोगों को चिंता है कि अगर सभी बीमा कंपनियां मिलकर पूरी तरह से खर्च कवर करने वाली पॉलिसी बंद कर देती हैं, तो यह प्रतिस्पर्धा से जुड़े सवाल खड़े कर सकता है।

5 साल में 3921 प्रतिशत का रिटर्न, कंपनी दे रही है 1 पर 2 शेयर बोनस



नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते तीन कंपनियों के शेयर एक्स-बोनस ट्रेड करेंगी। इसी में एक कंपनी जीटीवी इंजीनियरिंग लिमिटेड है। कंपनी शेयर बाजार में दूसरी बार एक्स-बोनस ट्रेड करेगी। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 2 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा।

इस कंपनी के शेयर इसी हफ्ते 7 अक्टूबर को एक्स-बोनस ट्रेड करेंगे। कंपनी ने निवेशकों को एक शेयर पर दो शेयर बोनस के तौर पर देने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी पिछले साल एक्स-बोनस ट्रेड की थी। तब भी योग्य निवेशकों को 1 पर 2 शेयर ही बोनस बांटा गया था। कंपनी शेयर बाजार में 22 सितंबर 2025 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। आखिरी बार निवेशकों को 0.10 रुपये का डिविडेंड बांटा गया था। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी ने पहली बार डिविडेंड पिछले साल फरवरी में दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया था। गुरुवार को कंपनी के शेयर 1 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में 67.97 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 16 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

हरित ऊर्जा क्रांति की ओर अग्रसर हो रहा भिण्ड जिला: मंत्री शुक्ला

कार्ययोजना बनाकर अधिक से अधिक नागरिकों को किया जाए लाभान्वित: मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

■ एक सत बुलेटिन, भिण्ड



नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में मेहगांव के रामलीला मैदान में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 'सेवा सेतु अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वर्चुअल संबोधित किया। शिविर में रूफटॉप सोलर, सब्सिडी, आवेदन, ऋण सुविधा और स्थापना संबंधी मार्गदर्शन के लिए विभिन्न स्टाल लगाए गए थे। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि जिले में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनांतर्गत 'सेवा सेतु अभियान' का आयोजन मेहगांव में किया गया है। उन्होंने बताया कि कैम्प के लिए राज्य शासन के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग ने ऊर्जा विभाग के साथ मिलकर योजना को लोकप्रिय बनाने की कार्य योजना तैयार की है। आगामी दिनों में जिले की प्रत्येक तहसील में इस प्रकार के कैम्प लगाए जाएंगे, जिसमें रूफटॉप सोलर के लिए ऑनलाइन आवेदन, ऋण सुविधा और स्थापना संबंधी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाला समय रूफटॉप सोलर का है और पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से भिण्ड जिला हरित ऊर्जा क्रांति की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में इस प्रकार का यह पहला आयोजन है, जिसे सफल बनाने के लिए उन्होंने नागरिकों की भागीदारी की अपील की। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी के सहयोग से मध्यप्रदेश का सौर ऊर्जा उत्पादन में देश का नौवां स्थान है। उन्होंने कहा कि कैम्प के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के पंजीयन को बढ़ावा देकर प्रदेश में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया जाएगा। यह योजना 31 मार्च 2027 तक संचालित होगी इसलिए आगामी छः माह में विभागीय अधिकारी, सोलर वेंडर और वित्त संस्थाएं मिलकर आमजन की शंकाओं का समाधान करेंगे जिससे अधिक से अधिक व्यक्ति रूफटॉप सोलर के लिए प्रेरित हो सकें और ऊर्जा उत्पादक बन सकें। उन्होंने कहा कि शासन और नगरिकों की भागीदारी से भावी पीढ़ी को बचाने के लिए हरित और स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। मंत्री श्री तोमर ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा 'सेवा सेतु अभियान' सरकार और जनता के बीच की दूरी को समाप्त करने का पुल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वच्छ और निशुल्क ऊर्जा का जो संकल्प लिया है उसे सफल बनाने के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत विभागीय अधिकारी छः माह की कार्ययोजना बना कर अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि इस योजना के जरिए भिण्ड जिले को सौर ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली का बिल शून्य करने की अपील की। इससे पहले मंत्री श्री शुक्ला द्वारा अन्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष नगर परिषद मेहगांव श्रीमती कंचन पिंटू राठौर, जनपद अध्यक्ष भिण्ड श्रीमती सरोज बघेल, अन्य जनप्रतिनिधि, ऊर्जा विकास निगम, आरईसी, मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी और कर्मचारीगण सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। नागरिकों को योजना के पंजीयन, आवेदन और सब्सिडी संबंधी जानकारी के लिए स्टाल लगाए गए थे तथा शिविर में सौर ऊर्जा उपकरणों के निर्माता-वेंडर और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

टीचर्स एसोसिएशन ने बाढ़ प्रभावितों को पाठ्य व राहत सामग्री का किया वितरण



■ एक सत बुलेटिन, जगदलपुर

प्रति वर्ष 05 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस शिक्षकों के योगदान, उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को सम्मान देने का अवसर होता है। उक्त दिवस विशेष पर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के द्वारा बाढ़ प्रभावित विद्यार्थियों और ग्रामीण परिवारों के बीच पहुंच कर पाठ्य सामग्री तथा राहत सामग्री का वितरण किया गया। टीचर्स एसोशिएशन ने हायर सेकेंडरी स्कूल तूरेनार, माध्यमिक शाला भाटागुड़ा, प्राथमिक शाला भाटागुड़ा एवं बालवाड़ी में विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। साथ ही ग्रामीण परिवारों को राहत सामग्री के रूप में कपड़े, दवाइयां एवं अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। पाठ्य सामग्री प्राप्त होने पर बच्चों में उत्साह और खुशी दिखाई दी। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। समाज जब संकट में हो, तब बच्चों और समुदाय के साथ खड़े होकर उनकी शिक्षा एवं भविष्य को सुरक्षित रखना भी शिक्षक की सामाजिक जिम्मेदारी है। बाढ़ ने भले ही कई परिवारों के जीवन को प्रभावित किया हो, लेकिन बच्चों की प्रतिभा, उम्मीद और शिक्षा की लौ को बुझने नहीं दिया जाएगा। इस अवसर पर प्रवीण श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, रूपेश चौहान, डॉ तुलादास मानिकपुरी, मनीष अहीर, संगीता वर्मा, सरिता यादव, बसंत यादव, संजीव श्रीवास्तव, बबीता देवांगन, रोशन तिर्की, शारदा राव, यू सुजाता, सुनीता जैन, संगीता, नीलमणि साहू सहित छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी, शिक्षकगण, ग्रामीणजन एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईईडी विस्फोटों से अंग गंवाने वालों को अपने पैरों पर खड़ा कर नक्सलवाद की अंतिम निशानी को मिटाना: विजय शर्मा

■ एक सत बुलेटिन, जगदलपुर



जिल मुख्यालय के धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क दिव्यांगजन सहायता एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर ने पीड़ितों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। लंबे समय तक नक्सल हिंसा और बारूदी सुरंगों की विभीषिका झेलने वाला बस्तर अब अंधकार से निकलकर शांति, विश्वास और विकास के नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। 17 अक्टूबर तक जारी 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में संभाग के बस्तर, कोण्डागांव, नारायणपुर एवं कांकेर जिले से 3,800 से अधिक जरूरतमंदों का पंजीयन हुआ है, जिसके माध्यम से नक्सल विस्फोटों, सड़क दुर्घटनाओं व अन्य कारणों से अपने अंग गंवा चुके नागरिकों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। यह अभियान जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के समन्वय से जयपुर फुट के लिए विख्यात भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर एनएसई फाउंडेशन और भारतीय जैन संघटना के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया है। शिविर को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर लंबे समय तक नक्सली हिंसा के दंश से जूझा है, लेकिन अब यह अंचल उस दौर से बाहर निकलकर विकास की नई दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल उपकरणों के वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। उन्होंने हिंसा में अपने अंग गंवा चुके पीड़ितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे खुद को कभी भी अकेला न समझें; पूरी सरकार और समाज पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि सरकार का लक्ष्य केवल बस्तर को हिंसा से मुक्त कराना नहीं, बल्कि एक शांत, सशक्त और विकसित बस्तर का निर्माण करना है। कार्यक्रम में उपस्थित उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद का खात्मा केवल सुरक्षा बलों की कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि बारूदी सुरंगों और आईईडी विस्फोटों का शिकार होकर अपने अंग गंवाने वाले हर नागरिक को पुनः संबल देकर अपने पैरों पर खड़ा करना ही नक्सलवाद की अंतिम निशानी को मिटाना है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि नक्सलियों ने भले ही धमाकों से लोगों के पैर छीने हों, लेकिन बस्तर की जनता के आत्मबल और मां दंतेश्वरी की कृपा से आज वही लोग कृत्रिम अंगों के सहारे स्वाभिमान से आगे बढ़ रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने आईईडी ब्लास्ट के शिकार ग्रामीण संतोष पोयाम सहित कर्तव्य के दौरान घायल हुए पुलिस जवान राकेश कुमार यादव और घासीराम मांझी की जीवटता का विशेष उल्लेख किया, जो अब कृत्रिम अंगों की मदद से बिना किसी सहारे के चलने के लिए तैयार हैं।

पिता ने पुत्र पर टांगिया से हमला कर की हत्या

सुकमा। जिला के कुम्हरास में शराब के नशे में हुए विवाद के दौरान पिता ने अपने ही पुत्र पर टांगिया से हमला कर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद सूचना पर पुलिस देर रात कुम्हरास मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। आज सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार रात करीब 11 बजे कुम्हरास निवासी वेट्टी लक्ष्मण, पिता वेट्टी हड़मा शराब के नशे में घर के पास बैठा था। इसी दौरान उसका पिता जंगल से लकड़ी काटकर घर लौटा। पुत्र के नशे में होने और विवाद करने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर पिता ने पास रखी टांगिया से अपने ही पुत्र लक्ष्मण पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पिता-पुत्र के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर आए दिन विवाद और मारपीट होती रहती थी। रविवार रात भी शराब के नशे में शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि पिता ने अपने ही पुत्र पर टांगिया से हमला कर दिया। परिवार में पहले ही बीमारी के चलते एक पुत्र की मौत हो चुकी है, जबकि पुत्री की शादी हो चुकी है। इस घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना के कार्य के लिए 02 दिवसीय प्रथम बैच का प्रथम दिवस का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

■ एक सत बुलेटिन, भिण्ड



भारत की जनगणना-2027 का द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना का कार्य फरवरी 2027 में किया जाना है। जनगणना कार्यों को समय-सीमा में संपादित कराने के लिए राज्य शासन के अधिकारियों का विभिन्न स्तर पर अत्यंक आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। इस अनुक्रम में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना के कार्य के लिए 02 दिवसीय प्रथम बैच का प्रथम दिवस का प्रशिक्षण कार्यक्रम समय प्रातः 09.30 बजे से सायं 6:00 बजे तक जिला स्तर पर कलेक्ट्रेट सभागार भिण्ड में राज्य स्तर द्वारा नियुक्त प्रशिक्षक श्री भूपेन्द्र श्रीवास्तव, श्री भानुप्रताप सिंह, द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अंत में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी भिण्ड द्वारा जनगणना 2027 द्वितीय चरण प्रशिक्षण के बारे में दिशा-निर्देश दिए गये। उक्त जनगणना-2027 का द्वितीय चरण प्रथम बैच के प्रथम दिवस के प्रशिक्षण में जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर, अति. जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला योजना सांख्यकी अधिकारी, समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी एवं एस.डी.एम., समस्त चार्ज जनगणना अधिकारी ग्रामीण एवं तहसीलदार, समस्त अति. चार्ज जनगणना अधिकारी एवं प्रभारी तहसीलदार एवं समस्त ग्रामीण चार्जों के जनगणना लिपिक व तकनीकि सहायकों ने उक्त प्रशिक्षण में प्रथम दिवस में प्रतिभागियों का पंजीकरण, प्रतिभागियों का परिचय और जिला जनगणना अधिकारी द्वारा स्वागत भाषण, जनगणना 2027 द्वितीय चरण का परिचय-परिचालन प्रक्रिया और प्रशासनिक अधिकारियों तथा लिपिकों का दायित्व, सी.एम.एम.एस.पी.ई. मॉड्यूल में गणना ब्लॉक का गठन, प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक्स डेशबोर्ड, ई.बी. क्रियेटर के माध्यम से उप-गणना ब्लॉक का सीमांकन एवं ले आउट मैप तैयार करना एवं सी.एम.एम.एस. के माध्यम से संक्षिप्त मकान सूची एवं चार्ज रजिस्टर तैयार करना आदि कार्य संपन्न किया। अतः जनगणना-2027 का द्वितीय चरण के प्रथम बैच के प्रथम दिवस में उपरोक्त समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

माया देवी यूनिवर्सिटी ले लॉ छात्रों ने मनाया अंतराष्ट्रीय शिक्षक दिवस : समाज को विधिक साक्षरता प्रदान करने लिया संकल्प

■ एक सत बुलेटिन, देहरादून



मायादेवी यूनिवर्सिटी के लॉ विभाग के छात्रों ने 5 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर समाज को विधिक साक्षरता प्रदान करने का लिया संकल्प लेते हुए 'रुल ऑफ़ लॉ' के प्रतिबद्धता जताई, ज्ञात हो कि यह दिवस शिक्षकों की स्थिति से संबंधित 1966 के अंतर्राष्ट्रीय संगठन यूनेस्को अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। छह दशक से प्रति वर्ष शिक्षक एक संकलन के साथ छात्र-छात्राओ के प्रति अपनी नैतिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि इस पेशे के सामने डिजिटल प्रौद्योगिकियो, जलवायु परिवर्तन से लेकर प्रवासन और विस्थापन तक कई नई चुनौतियाँ का सामना करने की ऊर्जा जागृत करने का काम शिक्षक कर रहे हैं । नई चुनौतियों के दबाव में एक शिक्षक ही हैं जो नीति-निर्माण सहित स्वायत्तता, समर्थन या भागीदारी के ज़रिये छात्रों को व समाज को प्रभावित करता हैं । इस वर्ष की थीम 'शिक्षकों के साथ खड़े रहना : और भविष्य को आकार देने के 60 वर्ष ' युनेस्को ने 2026 के इस संस्करण में प्रदान की हैं इस अवसर पर विधि विभाग के डीन प्रोफेसर अनिल कुमार दीक्षित ने कहा कि सामाजिक चुनौतियों और उनसे निपटने की रणनीतिक समीक्षा सहित समाज के उत्थान हेतु नीति निर्माण व प्रचार प्रसार से ही सामाजिक उन्नयन प्राप्त होगा डॉ. दीक्षित ने छात्रों से आह्वान किया कि वे नहीं ऊर्जा के साथ भारत देश का नव निर्माण करें। इस आयोजन में लॉ के छात्र छात्राओ ने भारत के संविधान के प्रति अपनी आस्था जताते हुए अपने विचार साझा किये जिसमे - सुधीर कुमार, कामना यादव , निशा कुमारी राय, मीनाक्षी कुमारी , माधव बंसल, ऋषव दुबे, महिमा, हुमेरा, वंशिका आर्या, कनिष्का चंद्रा, यश सोम, संजीव कुमार , अली हमज़ा आदि प्रमुख रहे ।

साइबर ठगों के खिलाफ बस्तर पुलिस ने उठाया नया हथियार

जगदलपुर। साइबर अपराध अब केवल शहरों की समस्या नहीं रही – बस्तर के गांव-चौपाल तक पहुंच चुका है। ऐसे में बस्तर पुलिस ने जहां एक ओर आम नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने के लिए 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक साइबर जागृति अभियान चलाया, वहीं दूसरी ओर के जरिए यह साबित किया कि पुलिस केवल जागरूक नहीं करती, बल्कि खोई हुई चीजें भी लौटाती है। आमतौर पर साइबर जागरूकता अभियान शहरों तक सीमित रह जाते हैं, लेकिन बस्तर पुलिस ने इस बार अलग रास्ता चुना। टीमों ने स्कूल, कॉलेज, संस्थानों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं ग्राम चौपालों तक पहुंचकर साइबर सुरक्षा का पाठ पढ़ाया। नतीजा – करीब 2 लाख 29 हजार नागरिक साइबर ठगी के नए-नए तरीकों को समझ सके। अनजान लिंक पर क्लिक न करें, संदिग्ध ऐप्स या एपए डाउनलोड न करें और डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी से सतर्क रहें। साथ ही, ठगी होने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने की आदत डालने पर जोर दिया गया। यह केवल सलाह देने वाला अभियान नहीं था, बल्कि जमीन पर काम करने वाला अभियान था। साइबर विभाग ने तकनीकी संसाधनों और सतत कार्रवाई के जरिए गुम हुए मोबाइल फोन की पहचान कर उन्हें उनके असली मालिकों तक पहुंचाया। इस पहल के तहत लगभग 25 लाख रुपये मूल्य के 151 गुम मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को लौटाए गए। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा एवं सिटी एसपी सुमित कुमार धोत्रे ने लाभार्थियों को मोबाइल फोन सौंपे।

सेवा सेतु शिविर, धान खरीदी की तैयारियों, स्वास्थ्य एवं शिक्षा कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचाना सुनिश्चित करें: कलेक्टर

■ एक सत बुलेटिन, सूरजपुर



कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही से कार्य करते हुए नियमित क्षेत्रीय भ्रमण कर मैदानी क्रियान्वयन की निगरानी करें। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा सेतु शिविर की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आयोजित होने वाले सेवा सेतु शिविरों में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को विभागीय टीम के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में आने वाले प्रत्येक पात्र नागरिक को केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं से शत-प्रतिशत संतृप्त करना लक्ष्य है। इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर विभागीय सेवाओं की उपलब्धता तथा आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 06 अक्टूबर को भैयाथान विकासखंड के ग्राम करकोटी एवं ओड़गी के दवनसरा तथा 07 अक्टूबर को प्रतापपुर के डांडकरवा में शिविर आयोजित होगा। सभी जिला स्तरीय अधिकारी अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। धान खरीदी वर्ष 2026-27 की तैयारियों एवं कृषक पंजीयन की प्रगति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने को कहा। उन्होंने एग्रीस्टेक पंजीयन एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे के शेष कार्य भी निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अधिकाधिक नागरिकों की जांच और स्क्रीनिंग कराने तथा शेष पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड शीघ्र बनाने को कहा। उन्होंने यू-विन पोर्टल एवं राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम की प्रगति की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती जमील ने टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के के निर्देश दिए। गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति, अनुपस्थिति एवं अवकाश की स्थिति की समीक्षा करते उन्होंने लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों पर की गई कार्रवाई की जानकारी ली । विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के लिए उन्होंने पालकों से संवाद कर अनुपस्थित बच्चों को नियमित अध्ययन से जोड़ने को कहा। कलेक्टर ने सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विचरण करने वाले आवारा पशुओं के प्रबंधन के लिए संबंधित विभागों और स्थानीय निकायों को समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, जिससे यातायात सुगम रहे और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो।

उप मुख्यमंत्री ने किया राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का देती है अवसरः उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मार्तण्ड उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक के मैदान में राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने खेलों में सद्भावना के प्रतीक मशाल को जलाकर तथा प्रतियोगिता के ध्वज को फहराकर इसका शुभारंभ किया। समारोह में 10 संभागों तथा ट्राईबल विभाग के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल हमें अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की सीख देते हैं।

खेलों में हारने वाला भी जीतने वाले को गले लगाकर बधाई देता है। हर खिलाड़ी प्रतियोगिता को जीतने का प्रयास करता है। प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देती है। रीवा में 70वीं शालेय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हम सबके लिए गौरव का क्षण है। प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों का पूरा सत्कार करने के साथ हम व्हाइट टाइगर सफारी और पुरवाफाल का भ्रमण भी कराएंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता में हैण्डबाल और थांगता मार्शल आर्ट की प्रतियोगिताएं होंगी। रीवा में खेलों को बढ़ावा देने के लिए विकसित स्पोर्ट्स काम्पलेक्स का निर्माण किया गया है। हैण्डबाल प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्राम अगडाल के खेल परिसर में किया जाएगा।

हैण्डबाल के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले स्वर्गीय रामबिहारी मिश्र जी को नमन करने के लिए अगडाल में हैण्डबाल की प्रतियोगिता होगी। यह अगडाल वासियों के लिए भी गौरव का क्षण है। उप मुख्यमंत्री ने खेलों के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री विवेक गौतम ने खिलाड़ियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। जिला शिक्षा अधिकारी पीएल मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन में खेल प्रतियोगिता के लिए किए गए प्रबंधों की जानकारी दी। समारोह में श्रीमती हेमलता सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री योगेन्द्र सिंह, श्री गौरव पाण्डेय, सहायक संचालक राजेश मिश्रा, जिला समन्वयक शिक्षा मिशन राजेश तिवारी, प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय रायपुर कर्चुलियान, वरूणेन्द्र सिंह तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

हर्षित गौतम ने बनाया सिरावेध का त्रिआयामी चिकित्सकीय ज्ञानकोश स्नेहल के मार्गदर्शन में तैयार प्रकल्प

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



आयुर्वेद के शास्त्रीय ज्ञान को आधुनिक त्रिआयामी तकनीक से जोड़ने की अभिनव पहल करते हुए आईईएस विश्वविद्यालय भोपाल के बीएएमएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थी हर्षित गौतम ने सिरावेध का त्रिआयामी चिकित्सकीय ज्ञानकोश विकसित किया है। यह प्रकल्प क्रियाशरीर की सह प्राध्यापक डॉ. स्नेहल एकावंकर के मार्गदर्शन तथा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान वडोदरा के बीटेक विद्यार्थी पियूष विश्वकर्मा के तकनीकी सहयोग से तैयार हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि सिरावेध से जुड़े शास्त्रीय संदर्भों को मानव शरीर के त्रिआयामी प्रतिरूप के माध्यम से समझाया गया है। विद्यार्थी रोग, संबंधित शारीरिक क्षेत्र और शास्त्रीय संदर्भ को एक साथ देखकर समझ सकते हैं तथा शरीर के विभिन्न अंगों को घुमाकर और बड़ा करके उनका अध्ययन कर सकते हैं। ग्रिध्रसी, वातरक्त, प्लीहोदर और विसर्प जैसे रोगों को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया गया है। संस्कृत संदर्भ, सरल अर्थ, शारीरिक संरचना तथा अंगुल जैसे शास्त्रीय मापों को भी दृश्य रूप में समझाने का प्रयास किया गया है। प्रकल्प में मर्म, सावधानियां, निषेध, संभावित जटिलताएं, रोगी परीक्षण और प्रक्रिया के बाद की देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषय भी शामिल हैं। इससे विद्यार्थियों को शास्त्रीय ज्ञान के साथ सुरक्षित और जिम्मेदार चिकित्सकीय समझ विकसित करने में सहायता मिल सकती है। शास्त्रीय ग्रंथ से रोग, शारीरिक क्षेत्र, त्रिआयामी दृश्यांकन, माप और सुरक्षा तक अध्ययन की यह एकीकृत व्यवस्था सिरावेध को आयुर्वेद शिक्षण के क्षेत्र में उपयोगी और नवाचारी पहल बनाती है। इसका उद्देश्य कठिन शास्त्रीय विषयों को नई पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए सरल, दृश्यात्मक और सहज बनाना है।

महाप्रबंधक सिंह ने भोपाल एवं रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं का किया निरीक्षण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने भोपाल रेल मंडल के दौरे के दौरान मंडल कार्यालय में अधोसंरचना से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंडल में चल रहे विभिन्न अधोसंरचना विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं तथा आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ने वाली संख्या को ध्यान में रखते हुए की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने ?1.12 करोड़ की लागत से तैयार लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर के नवनिर्मित रनिंग रूम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने रनिंग स्टाफ से संवाद करते हुए उनके कार्य की प्रकृति, विश्राम सुविधाओं तथा उपलब्ध व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। विशेष रूप से रनिंग स्टाफ को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता के संबंध में कर्मचारियों से सीधे संवाद कर उनकी राय जानी तथा भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इसके पश्चात महाप्रबंधक ने भोपाल स्टेशन का निरीक्षण कर विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन पर यात्रियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं, साफ-सफाई, यात्री आवागमन तथा अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। आगामी त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर में तैयार किए जा रहे होल्डिंग एरिया का भी निरीक्षण किया तथा भीड़ प्रबंधन एवं यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। महाप्रबंधक ने रानी कमलापति स्टेशन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, सर्कुलेटिंग एरिया सहित यात्रियों के आवागमन से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया सहित भोपाल मंडल के अन्य शाखाधिकारी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यायाधीशों की गरिमामय उपस्थिति में अधिवक्ता का जन्मदिन मनाया

बैरसिया। न्यायालय परिसर में सोमवार को वरिष्ठ अधिवक्ता अनार सिंह चौहान का जन्मदिन हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश एडीजे सुश्री श्वेता गोयल एवं एडीजे पवन कुमार बांदिल सहित न्यायाधीशों की पैनल में शामिल अर्जित दुबे, सुश्री निकिता पवार, सुश्री विभा आर्या एवं सुश्री रंजना डोडवे की गरिमामय उपस्थिति रही। जन्मदिन समारोह के दौरान अभिभाषक संघ के अध्यक्ष जितेंद्र भटनागर एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाषचंद्र जैन सहित न्यायालय के सभी अधिवक्ताओं ने वरिष्ठ अधिवक्ता अनार सिंह चौहान को साफा एवं पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मानित किया।इस अवसर पर न्यायालय के अधिवक्ताओं ने श्री चौहान के स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

एमजीएम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में जागरूकता कार्यक्रम, ब्रेन स्टेम मृत्यु के बाद अंगदान का महत्व

■ एक सत बुलेटिन, **इंदौर**



एक व्यक्ति का अंगदान कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दे सकता है। अंगों की कमी और अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को एमजीएम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में 'अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने ब्रेन स्टेम मृत्यु की पहचान, अंगदान की प्रक्रिया और प्रत्यारोपण में इसकी भूमिका की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि ब्रेन स्टेम मृत्यु की स्थिति में निर्धारित चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत अंगदान संभव है। उपस्थित लोगों से मृत्यु के बाद अंगदान के लिए संकल्प लेने और समाज में इसके प्रति सकारात्मक संदेश फैलाने की अपील की गई। ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर ऐश्वर्या गोयल ने कहा कि अंगों की कमी के कारण देश में बड़ी संख्या में मरीजों को समय पर प्रत्यारोपण नहीं मिल पाता। उन्होंने लोगों से अंगदान के लिए संकल्प लेने और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने की अपील की। इस दौरान अंगदान के माध्यम से जीवन बचाने वाले दाता परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता भी व्यक्त की गई। गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ब्रेन स्टेम मृत्यु के बाद अंगदान की प्रक्रिया और इसके महत्व को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, मरीजों और उनके परिजनों ने सहभागिता की। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन एवं सीईओ डॉ. अरविंद घनघोरिया ने कहा कि अंगदान केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा और नई जिंदगी देने का माध्यम है। उन्होंने अंगदान का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में डॉ. चंद्रजीत यादव, डॉ. दीप्ति सक्सेना, नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट एंग्लिना विल्फ्रेड सहित चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहे। आयोजन के समन्वय में डॉ. ओपी लेखरा, डॉ. अर्पण चौधरी, डॉ. रितेश बनोडे, डॉ. पद्मिनी सिरकनुंगो और ऐश्वर्या गोयल की भूमिका रही।

मलेरिया कार्यालय भोपाल में डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया माइक्रोस्कोपी प्रशिक्षण सम्पन्न

भोपाल। जिला मलेरिया कार्यालय, भोपाल में सोमवार को प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया संबंधी माइक्रोस्कोपिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जिला मलेरिया कार्यालय के अलावा अन्य शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मलेरिया की जांच सुविधा प्रारंभ करवाना है, ताकि भोपाल जिले में संचालित 8 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों मरीजों को अपने नजदीकी केंद्र पर ही समय पर जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सके। प्रशिक्षण का आयोजन जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मिता नामदेव के मार्गदर्शन में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण सलाहकार श्रीमती रुचि सिलाकारी द्वारा किया गया।



माइक्रोस्कोपी प्रशिक्षण सीनियर लैब टेक्नीशियन श्रीमती गीता लक्ष्मी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में जिला चिकित्सालय, काटजू अस्पताल, बैरसिया, कोलार, गांधीनगर सहित विभिन्न शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रयोगशाला तकनीशियनों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया के प्रमुख लक्षण, जांच की प्रक्रिया, उपचार, रोकथाम एवं नियंत्रण के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही मलेरिया की माइक्रोस्कोपिक जांच में स्लाइड तैयार करने, रक्त फिल्म की जांच एवं मलेरिया परजीवी की पहचान से संबंधित तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई।

महात्मा गांधी सान्दीपनि विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया संसद का भ्रमण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



महात्मा गांधी सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरखेड़ा भोपाल के विद्यार्थियों ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन का भ्रमण किया। विद्यालय को लगातार तीसरी बार युवा संसद प्रतियोगिता में विजेता बनने से विद्यार्थियों को यह सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। पंडित कुंजीलाल दुबे संसदीय विद्यापीठ, भोपाल द्वारा स्कूली विद्यार्थियों के लिए प्रतिवर्ष युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, इसमें विद्यार्थियों के दल द्वारा संसद की कार्यवाही से संबंधित लगभग एक घंटे की प्रस्तुति दी जाती है। इस प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले विद्यालय के विद्यार्थियों को संसद भवन भ्रमण का अवसर प्रदान किया जाता है। युवा संसद प्रतियोगिता में लगातार तीसरे वर्ष विजेता बनने पर महात्मा गांधी सांदीपनी विद्यालय के 2 होनहार छात्रों संस्कार साहू एवं लखन धानक को संसदीय विद्यापीठ की ओर से दिल्ली भेजा गया। विद्यार्थियों ने लोकसभा की कार्यवाही को नजदीक से देखा तथा संसद परिसर में स्थित संग्रहालय एवं प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। विद्यार्थियों को दिल्ली के अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थलों की सैर करने का भी अवसर मिला, जो उनके लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ। भ्रमण के दौरान युवा संसद प्रभारी शिक्षिका श्रीमती रेखा पाटीदार भी छात्रों के साथ उपस्थित रहीं और उन्होंने पूरे कार्यक्रम में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

महापौर मालती राय के मुख्य आतिथ्य में धन्य धन्य बुंदेल धरा का हुआ आयोजन



भोपाल। बुंदेलखंड की वीरागंना रानी दुर्गावती की जयंती पर महापौर श्रीमती मालती राय के मुख्य आतिथ्य एवं करूणाधाम आश्रम के सुदेश शांडिल्य जी महाराज के सानिध्य में ''धन्य धन्य बुंदेल धरा'' का आयोजन किया गया। स्थानीय हिन्दी भवन में सोमवार को आयोजित मंचन कार्यक्रम में महापौर श्रीमती मालती राय व अन्य अतिथियों ने रानी दुर्गावती की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं पुस्तक का विमोचन भी किया। आयोजकों द्वारा महापौर श्रीमती राय का सम्मान अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लेखक, साहित्यकार व आयोजन समिति के सदस्य व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

गौहर महल में स्टेट हैंडलूम एक्सपो 11 अक्टूबर तक चलेगा

चंदेरी, कोटा और कांजीवरम की बुनाईऔर हुनर ने किया आकर्षित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**





मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम की ओर से गौहर महल में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो इन दिनों कला एवं हथकरघा प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 11 अक्टूबर तक चलने वाले इस एक्सपो में देश के 16 राज्यों से आए शिल्पी और बुनकर अपने पारंपरिक हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों के साथ शामिल हुए हैं। अलग-अलग राज्यों की बुनाई, डिजाइन, रंग संयोजन और पारंपरिक तकनीकें यहां आने वाले लोगों को आकर्षित कर रही हैं।एक्सपो में राजस्थान का प्रसिद्ध कोटा, तेलंगाना का कॉटन, मैसूर का सिल्क और मध्यप्रदेश की चंदेरी प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। चंदेरी की महीन बुनाई और हल्के कपड़े के साथ पारंपरिक डिजाइन लोगों को पसंद आ रहे हैं। वहीं कोटा और दक्षिण भारत के विभिन्न सिल्क उत्पादों में भी खरीदारों की रुचि देखी जा रही है। 65 हजार की कांजीवरम साड़ी कर्नाटक से आए शशिधर ने बताया कि बेंगलुरु क्षेत्र की कांजीवरम साड़ी रियल जरी से तैयार की जाती है। उन्होंने बताया कि एक विशेष साड़ी में एक ही रंग और एक ही डिजाइन रखा गया है तथा इसे एक महिला के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इसकी कीमत करीब 65 हजार रुपये है और इसकी रिसेल वैल्यू भी बनी रहती है। सेमी टसर सिल्क की साड़ी पर पिचवाई आर्ट तमिलनाडु के मदुरई से आए श्रवण ने यहां कोरा सिल्क की साड़ियों को प्रदर्शित किया है। उन्होंने बताया कि मदुरई की पारंपरिक बुनाई और सिल्क की विशेष बनावट इन उत्पादों की पहचान है। जम्मू-कश्मीर से आए इरफान हुसैन ने बताया कि उनके स्टॉल पर सेमी टसर सिल्क की साड़ी पर पिचवाई आर्ट का काम प्रदर्शित किया गया है। इसकी खासियत यह है कि इसे सामान्य तरीके से धोया जा सकता है। साड़ी को आंध्र प्रदेश के कारीगरों ने तैयार किया है, जिसमें वहां की लोक संस्कृति और पारंपरिक कला को उकेरा गया है।

निरीक्षक पवन सेन को जन्मदिन पर मिलीं ढेरों बधाइयां



बैरसिया। राजधानी भोपाल के थाना अशोका गार्डन अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र पुलिस चौकी में पदस्थ मध्यप्रदेश पुलिस के निरीक्षक (टीआई) पवन कुमार सेन का जन्मदिन रविवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों, थाना स्टाफ, सामाजिक पदाधिकारियों एवं समाजसेवियों ने थाने पहुंचकर निरीक्षक पवन सेन को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जन्मदिन के अवसर पर उपस्थित लोगों ने निरीक्षक पवन सेन को पुष्पमालाएं पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद केक काटकर उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई। पवन सेन के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर इसी तरह कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादक: विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9893311784